

BEST EMERGENCY CARE IN TRAUMA, STROKE & HEAD INJURY

जानकी न्यू लाईफ

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

कीड़ा संकुल रोड, मरारटोली, गोंदिया - 441614

EMERGENCY

75 108 57 108

हैड इंजरी, कोमा, सरवर्ड, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी के उपचार और सर्जरी, न्यूरोसर्जरी, आर्थोपेडिस, न्यूरो हिवेब, इंटरनल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, जॉइंट रिप्लेसमेंट, आईसीयू माइक्रोवर ओटी, यूरो सर्जरी, वेस्कुलर सर्जरी..एम.आर.आई, सीटी स्कैन, एक्स रे, प्रभुति व स्त्री रोग तज्ञ..

डॉ. सनी सतीश

जायसवाल न्यूरो सर्जन

डॉ. सौ. पूनम सनी

जायसवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ

बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 18 सितम्बर 2026

दिन - शुक्रवार

वर्ष-14 वां

पृष्ठ - 12

अंक - 232

मूल्य - 5 रुपये

7 Years

IN HEALTH, CARE & HEALING

SAHAYOG HOSPITAL

निःशुल्क एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी शिविर

वैधता 31 अगस्त 2026 तक

अभ्युपगम भारत योजना (PMABJY) एवं ABJAY के अंतर्गत निःशुल्क एंजियोप्लास्टी की सुविधा उपलब्ध

91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

● बालाघाट

● वारासिवनी

● कटंगी

● बैहट

● लांजी

● परसवाड़ा

● सिवनी

● बरघाट

● छपारा

● केवलारी

● गोंदिया - भंडारा

● आमगांव

● गोरेगांव

● सालेकसा

● देवरी

● तिरोड़ा

...और दिखाओ...और दिखाओ

और दिखाओ...और दिखाओ...!!!

...खुबसूरत साड़ियों के लिए तो सिर्फ...यहींच...संभव

बरकरार रखीं

मो. 9325481081

9423113147

धनराज

खास साड़ीयों का खास संग्रह

गोंदिया

चुनने का मजा...

दैनिक वेतन भोगी के रुप में नौकरी शुरू करने वाला 12 साल में बन गया करोड़पति..

बालाघाट जिले के लांजी में ईओडब्ल्यू ने अनुपातहीन संपत्ति के बादशाह का किया पर्दाफाश..

सुबह 6 बजे घर पर दबिष्टा देकर की छापामार कार्यवाही..

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में मनेरी समिति प्रबंधक चौरे पर किया अपराध दर्ज..

जगप्रेरणा लांजी/बालाघाट। बालाघाट जिले में लोक निर्माण विभाग में पदस्थ एक अधिकारी के द्वारा आय से अधिक अनुपातहीन संपत्ति के मामले में जबलपुर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने कार्यवाही की थी, तथा एक भ्रष्ट अधिकारी का पर्दाफाश किया था। इस कार्यवाही के बाद अब एक बार फिर बालाघाट जिले के लांजी में सेवा सहकारी

समिति मर्यादित मनेरी के प्रबंधक विलास चौरे के लांजी स्थित आवास पर सुबह करीब 6 बजे छापामार कार्यवाही कर आय से अधिक संपत्ति के मामले में सर्व कार्रवाई शुरू कर शाम तक चली जांच में करीब 3 करोड़ की अनुपातहीन संपत्ति का खुलासा कर तथा प्रबंधक विलास चौरे के खिलाफ अनुपातहीन संपत्ति अर्जित करने की शिकायत के सत्यापन में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने के बाद अपराध क्रमांक 0/26 दर्ज किया गया है। प्रकरण में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(1)(बी) एवं 13(2) के तहत कार्रवाई की गई है। जांच अधिकारियों ने कहा कि अन्य संपत्तियों, बैंक खातों और लॉकरों की जांच जारी है तथा आगे की जांच में और संपत्तियों का खुलासा होने की संभावना है।

70 लाख की भूमि, प्लाट और मकान..

ईओडब्ल्यू द्वारा जारी जानकारी के अनुसार सच के दौरान आरोपी विलास चौबे और उसके परिजनों के नाम पर भूमि, प्लाट एवं मकान की अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपये पाई गई है। टीम द्वारा संपत्तियों से

जुड़े दस्तावेज, खरीद-बिक्री और भुगतान के स्रोत की जानकारी जुटाई जा रही है। जांच के दौरान आवास में मौजूद घरेलू सामान की भी इन्वेंट्री तैयार की गई है। ईओडब्ल्यू के अनुसार घरेलू सामान की अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपये आंकी गई है। इसमें घर में उपलब्ध विभिन्न महंगे सामान एवं अन्य सामग्री का मूल्यांकन शामिल है।

5 लगजरी बसें, स्कॉर्पियो, गैड विटारा और दो बोलोरो भी मिली..

सर्व कार्रवाई में पांच लगजरी स्लीपर बसों की जानकारी सामने आई है। ईओडब्ल्यू के अनुसार इन पांच बसों की अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ रुपये है। बसों के स्वामित्व, खरीद और संचालन से संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जांच के दौरान कई चार पहिया वाहन भी सामने आए हैं। इनमें महिंद्रा न्यू स्कॉर्पियो करीब 15 लाख रुपये, सुजुकी गैड विटारा करीब 12 लाख रुपये तथा दो बोलोरो एक्सेल करीब 15 लाख रुपये कीमत की बताई गई है। इसके अलावा तीन दोपहिया वाहन भी मिले हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2.50 लाख रुपये बताई गई है। इस तरह केवल वाहनों में ही बड़ी राशि की संपत्ति सामने आई है। ईओडब्ल्यू द्वारा सभी वाहनों के दस्तावेज, स्वामित्व और खरीद में खर्च हुई राशि का सत्यापन किया जा रहा है।

8 बैंक खाते और बीमा पॉलिसियां जांच के दायरे में

ईओडब्ल्यू की जांच में आरोपी विलास

अनुपात का परीक्षण जांच एजेंसी द्वारा किया जा रहा है। ईओडब्ल्यू ने स्पष्ट किया है कि 17 सितंबर को सुबह 6 बजे से शुरू हुई सर्व कार्रवाई अभी जारी है। अब तक करीब 3 करोड़ रुपये की अनुमानित अनुपातहीन संपत्ति सामने आई है। अधिकारियों द्वारा अन्य संपत्तियों, बैंक खातों, लॉकरों, निवेश और वित्तीय लेन-देन की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद संपत्ति और आय के बीच वास्तविक अंतर स्पष्ट होगा तथा आगे और संपत्तियों के सामने आने की संभावना से भी इनकार नहीं किया गया है।

चौरे बोले-शिकायत जलन की भावना से की गई..

कार्रवाई को लेकर विलास चौरे ने कहा कि ईओडब्ल्यू की टीम ने उनके निवास पर जांच की और उन्होंने कार्रवाई में पूरा सहयोग किया। उनका कहना है कि शिकायत जलन की भावना से की गई है और उनकी

छवि धूमिल करने के उद्देश्य से शिकायत की गई। चौरे ने कहा कि यदि जांच में वे दोषी पाए जाते हैं तो वे कार्रवाई के लिए तैयार हैं।

ईओडब्ल्यू टीम में ये अधिकारी रहे शामिल..

कार्रवाई में उप पुलिस अधीक्षक मनजीत सिंह, उप पुलिस अधीक्षक स्वर्णजीत सिंह धर्मा, निरीक्षक प्रेरणा पाण्डेय, कोमेन्द कुमार, अभिनव ठाकुर, कयुम खान, शेख नदीम, सगीर खान, कमलीन कोर और डॉ. लक्ष्य वर्मा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। कार्रवाई में बालाघाट पुलिस बल एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों की भी मौजूदगी रही।

बोले उप पुलिस अधीक्षक मनजीत सिंग

कार्यवाही के उपरांत उप पुलिस अधीक्षक मनजीत सिंह ने बताया कि विलास चौरे के विरुद्ध शिकायत के सत्यापन में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर अपराध क्रमांक 0/26 अंतर्गत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(बी), 13(2) में प्रकरण दर्ज किया गया है। 17 सितंबर को सुबह 6 बजे से सर्व कार्रवाई जारी है। अब तक आरोपी एवं उसके परिजनों के नाम पर करीब 3 करोड़ रुपये की अनुपातहीन संपत्ति सामने आई है। अन्य संपत्तियों, बैंक खातों और लॉकरों की जांच जारी है। आगे की जांच में अन्य संपत्तियों के खुलासे की संभावना है।

2014 में दैनिक वेतनभोगी से शुरू की थी नौकरी

ईओडब्ल्यू के अनुसार विलास चौरे वर्ष 2014 में सेवा सहकारी समिति में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में पदस्थ हुए थे। वर्तमान में वे सेवा सहकारी समिति मनेरी में प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। करीब 12 वर्ष की सेवा अवधि में उनकी ज्ञात आय और वर्तमान में सामने आई संपत्तियों के बीच

चुनाव आयोग ने किया टीएमसी का नाम और चुनाव चिन्ह फ्रीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने बंगाल में दो सीटों पर होने वाले उपचुनाव से पहले टीएमसी में चल रहे सिंबल विवाद पर अपना अंतरिम आदेश जारी कर दिया है। आयोग ने तुणमूल कांग्रेस का नाम (टीएमसी) और चुनाव चिन्ह फ्रीज कर दिया है।

चुनाव आयोग ने तुणमूल कांग्रेस में दो प्रतिद्वंद्वी गुटों को मान्यता दे दी है, जिसमें से एक का नेतृत्व ममता बनर्जी कर रही हैं और दूसरे का अरूप राय। आयोग ने पैरा 15 के तहत इस विवाद पर अंतिम फैसला करेगा। अंतिम फैसले तक, कोई भी गुट मौजूदा उपचुनावों में ऑल इंडिया तुणमूल कांग्रेस नाम या फूल और घास चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। दोनों गुटों को आयोग द्वारा आवंटन के लिए 18 सितंबर को सुबह 11 बजे तक तीन पसंदीदा नाम और तीन प्रे-सिंबल विकल्प जमा करने होंगे। चुनाव आयोग ने एक अंतरिम आदेश में झरूख के दोनों गुटों को पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव में पार्टी के चुनाव चिन्ह और नाम का इस्तेमाल करने से रोक दिया है। आयोग ने तुणमूल के दोनों गुटों से कहा है कि वे पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव के लिए आयोग द्वारा बताए गए चुनाव चिह्नों में से कोई एक चिन्ह और पार्टी का कोई दूसरा नाम चुनें।

सिंबल विवाद में ममता और रितब्रत दोनों गुट को चुनाव आयोग ने दिया झटका..

उपचुनावों के लिए ये हैं अंतरिम आदेश..

चुनाव आयोग ने पिछले मामलों की परंपरा के अनुसार आदेश दिया है कि अंतिम फैसला आने तक कोई भी गुट ऑल इंडिया तुणमूल कांग्रेस नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। कोई भी गुट फूल-घास वाला आरक्षित चुनाव चिन्ह इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। दोनों गुट अपने लिए नया नाम चुनें, चाहे तो अपने नाम के साथ ऑल

इंडिया तुणमूल कांग्रेस का लिंक जोड़ सकते हैं। दोनों गुटों को चुनाव आयोग की प्रे सिंबल की लिस्ट में से अलग-अलग नया चुनाव चिन्ह दिया जाएगा, इस उपचुनाव के लिए। दोनों गुटों को 18 सितंबर 2026, सुबह 11:00 बजे तक अपने गुट के लिए 3 नामों के विकल्प - वरीयता क्रम में, जिसमें से एक को आयोग मंजूरी देगा, आयोग को देना होगा। चुनाव आयोग का यह फैसला नंदीग्राम और रेजीनगर में 6 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव से पहले आया है, जहां दोनों गुट तुणमूल कांग्रेस की पहचान के तहत चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे।

यूपीआई से लेन देन पर शुल्क वसूलने की बजाए विधायकों और सांसदों की पेंशन खत्म करे सरकार..

छैलाबिहारी अग्रवाल ने प्राणघातक महंगाई के दौर में नए शुल्क का किया विरोध..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया के राष्ट्रचिंतक समाजसेवी छैलाबिहारी अग्रवाल ने यूपीआई से व्यापारिक लेन देन पर लगाए जा रहे शुल्क का विरोध किया है, तथा इस तरह से ऑनलाइन पेमेंट में लागू की जा रही कर प्रणाली का विरोध करते हुए इस निर्णय को तत्काल वापस लेने का अनुरोध किया है।

ठीक नहीं होगी, क्योंकि वास्तव में सरकार की आर्थिक नीतियों में बदलाव की आवश्यकता है। सांसदों विधायकों की पेंशन खत्म करे सरकार..

छैलाबिहारी अग्रवाल ने कहा कि सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि यूपीआई से 2 हजार रुपये से अधिक के लेन देन पर व्यापारियों से जो शुल्क वसूला जायेगा, उससे सरकार 15 हजार करोड़ रुपये सालाना प्राप्त करेगी, जबकि सरकार

यदि सांसदों और विधायकों को जो पेंशन के रूप में राशि देती है, यदि उस पेंशन को बंद कर देती है तो निश्चित ही इससे दोगुना राशि सरकार बचा सकेगी, इसलिये सरकार को सांसदों और विधायकों की पेंशन को खत्म करने का निर्णय राष्ट्रहित में लेना चाहिये, क्योंकि देश के सभी सांसद और विधायक और पूर्व जनप्रतिनिधि सभी आर्थिक संपन्न लोग हैं जिन्हें सरकार की पेंशनरूपी खेरात की आवश्यकता नहीं है।

मुफ्त की योजनाएं बंद कर स्वावलंबी योजनाएं शुरू करें..

छैलाबिहारी अग्रवाल ने एक बार फिर इस बात पर जोर दिया कि विभिन्न तरह की सरकार की ओर से जो भी मुफ्त की योजनाएं चलाई जा रही है, उन सभी योजनाओं को बंद करके ऐसी स्वावलंबी योजनाएं शुरू करना चाहिये, जिससे कि लोगों को काम के एवज में अधिक राशि प्राप्त हो, और देश में लोग अधिक से अधिक कार्य करने के लिये प्रेरित हों, क्योंकि वर्तमान परिस्थितियों में सरकार की मुफ्तखोरी की योजनाओं के कारण विभिन्न उद्योग और धंधों पर घातक असर हो रहा है, मजदूर नहीं मिलने से कारखाने और मिलें बंद होते जा रहे हैं, और जब उद्योग धंधें नहीं चलेंगे तो सरकार फिर किनके भरोसे मुफ्त की योजनाएं चला सकेगी, यह भी सरकार को अवश्य सोचना चाहिये। छैलाबिहारी अग्रवाल ने आगे कहा कि यदि राष्ट्रहित में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ठोस कदम नहीं उठा सकते तो फिर उन्हें प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिये।

NEW ARRIVAL

आपकी पहचान... आपका स्टाइल

FASHION FACTORY

STYLE THAT DEFINES YOU

FOR BOYS & GIRLS

TRENDY • STYLISH • AFFORDABLE

WATCHES & BELTS

CAPS & SUNGLASSES

WALLETS & PERFUMES

EARRINGS & ACCESSORIES

T-SHIRTS, JEANS & LOWERS

KEYCHAINS & FANCY ITEMS

BEST QUALITY

BEST PRICE

MAIN ROAD, MAHAVEER CHOWK, BEAUTY CORNER KE SAAMNE, BALAGHAT (M.P.)

8827333882

आवश्यकता है..

बालाघाट शहर के प्रसिद्ध डिस्ट्रीब्यूटर वाधवानी फटाखा बाजार एवं विजय सेल्स में कार्य के लिये मार्केटिंग सेल्समेन, पुरुष एवं महिला कर्मचारी की आवश्यकता है।

पद संख्या - 12, आकर्षक वेतन एवं सुविधाएं..

संपर्क करें..

9425639000,

9300039839

+ CMYK

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शान्ति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुवेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
व्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा

live शहर बालाघाट

● गर्ग ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोगलाई

मान्यता

ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियों सुधारी जाती है।

मनीष वर्मा
मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

बालाघाट में श्रद्धा-भक्तिभाव के साथ मनाया भगवान विश्वकर्मा पूजन समारोह..

आँवलाझरी स्थित श्री भगवान विश्वकर्मा मंदिर में हुआ महाअभिषेक, हवन-पूजन और महाआरती, छप्पनमोग के बाद श्रद्धालुओं को बांटा महाप्रसाद

जगप्रेरणा बालाघाट।
सृष्टि के रचयिता एवं निर्माण-कला के आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्मा का पूजन समारोह गुरुवार, 17 सितंबर को सर्व विश्वकर्मा समाज, बालाघाट के तत्वावधान में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया। आँवलाझरी स्थित सार्वजनिक श्री भगवान विश्वकर्मा



मंदिर में आयोजित इस धार्मिक समारोह में विश्वकर्मा समाज के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहपरिवार शामिल हुए। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर भगवान विश्वकर्मा के जयकारों और धार्मिक वातावरण से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम के दौरान विधि-विधान के साथ भगवान श्री विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की गई। आयोजन की शुरुआत भगवान विश्वकर्मा के महाअभिषेक से हुई। इसके पश्चात सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक हवन एवं आरती का आयोजन किया गया। हवन में समाज के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भगवान विश्वकर्मा से सुख-समृद्धि, शांति एवं परिवार की मंगलकामना की। धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में दोपहर 12 बजे से भगवान श्री विश्वकर्मा को छप्पनभोग अर्पित किया गया। विभिन्न प्रकार के पकवानों एवं व्यंजनों से भगवान को भोग लगाया गया। इसके उपरांत दोपहर 1 बजे विधि-विधान

एवं श्रद्धा के साथ भगवान विश्वकर्मा की महाआरती की गई। महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की और भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

महाआरती के पश्चात मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। समाज के लोगों एवं श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर महाप्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में सहयोग किया गया।

निर्माण एवं शिल्पकला के आराध्य हैं भगवान विश्वकर्मा

आयोजकों ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा को निर्माण, शिल्प, वास्तुकला एवं तकनीकी कौशल का आराध्य देव माना जाता है। विश्वकर्मा जयंती एवं पूजन समारोह के अवसर पर समाज के लोग अपने आराध्य देव की पूजा-अर्चना कर परिवार एवं समाज की खुशहाली की कामना

करते हैं। इसी परंपरा के तहत बालाघाट में भी हर वर्ष भगवान विश्वकर्मा पूजन समारोह का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जाता है। इस अवसर पर समाज के लोगों ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा के प्रति आस्था रखने वाले समाज के सदस्यों के लिए यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकजुटता का भी अवसर है। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों ने सहपरिवार उपस्थित होकर धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता की। आयोजकों के अनुसार, भगवान विश्वकर्मा पूजन समारोह में समाज के सदस्यों के साथ ही अन्य श्रद्धालुओं ने भी बड़ी संख्या में पहुंचकर पूजा-अर्चना, हवन एवं महाआरती में सहभागिता की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सर्व विश्वकर्मा समाज के सदस्यों एवं सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वकर्मा के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया।

सेवा के संकल्प और आशीर्वाद के दीपों के साथ

नया अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर के नेतृत्व में नगर पालिका द्वारा मनाया गया प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन..

सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ कर किया गया स्वच्छता श्रमदान..

स्वास्थ्य शिविर, सहभोज और हितग्राहियों को चेक वितरण सहित हुए विविध आयोजन

जगप्रेरणा बालाघाट।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को नगर पालिका परिषद बालाघाट ने नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर के नेतृत्व में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ करते हुए दिनभर सेवाभावी कार्यक्रम

आयोजित किए। सुबह मोती उद्यान में स्वच्छता श्रमदान से शुरू हुआ आयोजन स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, दीनदयाल रसोई में सहभोज और पीएम स्वनिधि के हितग्राहियों को चेक वितरण के साथ आगे बढ़ा। इस अवसर पर सांसद भारती पारधी, जिला सेंट्रल प्रभारी अभिलाष मिश्रा, पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, मौसम हरिनखेड़े, पूर्व नया अध्यक्ष रमेश रांगलानी, एवं श्री रमाकांत ढाके प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश भिसेन, सभापति समीर जैसवाल, उज्ज्वल आमडारे, वकील वाधवा, श्रीमती संगीता खोगेस कावरे, श्रीमती संगीता खेरू थापा, श्रीमती योगिता विनय बोपचे एवं कमलेश पंचे; पार्षद मनीष नेमा, गिरीश पिपलवार, गजेंद्र भारद्वाज, सुमित, विशाल मंगलानी, यासीन खान, बिट्टू कौशल, गिरीश कावरे, मानक बर्वे एवं राज हरिनखेड़े उपस्थित रहे। चित्रवर्ण शुक्ला, गुड्डू लिल्लारे, जयदेव कटरे सहित बड़ी संख्या में समाजसेवियों, कार्यकर्ताओं, महिला समूहों एवं नागरिकों ने भी सहभागिता की। गौरतलब है कि प्रातः 7:30 बजे मोती उद्यान एवं तालाब की पार पर स्वच्छता श्रमदान किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने



स्वयं सफाई कर स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। नगर पालिका सभागार में आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ ने नागरिकों की शुगर, रक्तचाप सहित स्वास्थ्य संबंधी जांच की। चिकित्सकीय परामर्श के साथ निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। इसी प्रकार दीनदयाल रसोई में नागरिकों के साथ सभी ने बैठकर भोजन किया। इस दौरान आत्मीयता और सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए प्रधानमंत्री की दीर्घायु की कामना की गई। दोपहर 4:30 बजे नगर पालिका सभागार में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को ऋण सहायता के चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर पूर्व सांसद मधुकरराव कुकड़े सहित जनप्रतिनिधि, योजना एवं नियोजन शाखा के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

पीएम आवास कॉलोनी में अपने घर की खुशियों के साथ जले दीप

संध्याकाल में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत विकसित एचपी आवास कॉलोनी, बुढ़ी में लाभार्थी परिवारों के बीच 'आशीर्वाद दीया' कार्यक्रम आयोजित किया गया। लाभार्थियों ने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत अपने घर ने उनके परिवार को सुख और सम्मान दिया है। सभी ने प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की प्रार्थना करते हुए उनके निरंतर देशसेवा करते रहने की कामना की।

शंकरघाट में रंगोली और दीपों से सजा परिसर

सिद्धपीठ शंकरघाट में डे-एनयूएलएम शाखा से जुड़े महिला स्वसहायता समूहों ने आकर्षक रंगोली सजाई। संध्याकाल में प्रवेश द्वार से मंदिर परिसर तक आशीर्वाद के दीप प्रज्वलित किए गए। महिलाओं ने विशेष पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

समूह की महिलाओं ने बताया कि स्वरोजगार और समूह गतिविधियों से उन्हें आर्थिक संबल मिला है तथा वे परिवार की आय बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। अटल उद्यान एवं नगर के विभिन्न वार्डों में भी नागरिकों ने दीप जलाकर प्रधानमंत्री की दीर्घायु की कामना की।

बोली नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर..

नया अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को हमने नागरिकों के बीच पहुंचकर सेवा करने के अवसर के रूप में मनाया है। स्वच्छता श्रमदान, स्वास्थ्य शिविर, सहभोज, हितग्राहियों को सहायता और आशीर्वाद दीया कार्यक्रम में नागरिकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। अपने घर में दीप जलाते परिवारों और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ती महिलाओं की खुशी इन आयोजनों को विशेष बनाती है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में श्री मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान हमें और अधिक तत्परता से जनसेवा करने की प्रेरणा देता है।

दुख की घड़ी में मोदी का जन्मदिन मनाना निर्लज्जता की पराकाष्ठा है - श्याम पंजवानी

36 आदिवासी बैगा बच्चों की मौत पर बालाघाट में कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि..

जगप्रेरणा बालाघाट।
बालाघाट जिले में मासूम आदिवासी बच्चों की मौत से व्यथित शहर कांग्रेस ने गुरुवार शाम 7 बजे स्थानीय हनुमान चौक पर मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत बच्चों को श्रद्धांजलि

अर्पित की। कांग्रेस नेताओं ने इस दौरान केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों को लेकर सवाल उठाए। शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने कहा कि बालाघाट जिले में 35 से अधिक मासूम बैगा आदिवासी बच्चों की मौत ने पूरे जिले को झकझोर दिया है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जब एक ओर परिवार अपने बच्चों को खोने के गम में हैं, तब दूसरी ओर सुशासन पखवाड़े के नाम पर उत्सव और दीप प्रज्वलन किया जा रहा है।



आखिर यह कैसा सुशासन है? उन्होंने इंदौर की जल त्रासदी, जहरीले कफसिरप से बच्चों की मौत, सागर में जहरीली शराब की घटना, बिहार की बाढ़ और बालाघाट में आदिवासी बच्चों की मौत जैसे मामलों का उल्लेख करते हुए सरकार से जवाब मांगा। सागर की जहरीली शराब की घटना में लगभग 100 लोगों से ज्यादा लोगों ने अपनी जान गंवाई बावजूद ऐसा सुशासन पखवाड़ा शर्मनाक है।

बोले अनूप सिंह बैस..

वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनूप सिंह बैस ने कहा कि इस समय बालाघाट से लेकर दिल्ली तक दुख का वातावरण है। एक तरफ आदिवासी बच्चों की मौत और दूसरी ओर देश के विभिन्न हिस्सों में विपदाओं के बीच जन्मोत्सव मनाने के लिए दीप जलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा से

सवाल है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को महंगाई और बेरोजगारी के रूप में क्या दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस तरह के आयोजन का विरोध करती है।

यह रहे उपस्थित...

कार्यक्रम में अनूप सिंह बैस, श्याम पंजवानी, शौकत खान, श्रीनिवास राव, कारो लिल्लारे, अल्लाह रखा, पन्ना शर्मा, शमीम सिद्दीकी, जीतू बर्वे, साबिर मंसूरी, निर्मल कट्टू सोनी, राम सिंह भाटिया, केवल सिंह झरिया, पियोज खान, राजेश ठाकुर, जयकृष्णा डिंगरू, प्रशांत मोहरे, मोहम्मद आजम खान, अपरोज खान, साजिद अली, डॉ. दुर्गा वर्कडे, डॉ. मुकेश वर्कडे, मधु चौकसे, मुकेश लिल्लारे, धर्मेन्द्र बोपचे, निखिल गौतम, सीमा सिंह, रामभाऊ पंचेचर, ऋषभ सहारे सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

किरनापुर में आयोजित शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन में

तोड़ फोड़ और पथराव करने वाले दोषियों पर कार्यवाही हो परंतु निर्दोषों को कोई सजा ना मिले - मरार समाज अध्यक्ष रमेश पंचे

मरार समाज का प्रदर्शन शांतिपूर्ण था, बाहरी तत्वों ने थाने में तोड़-फोड़ की - बोले राजेश मरार

जगप्रेरणा बालाघाट।
बालाघाट में आज स्थानीय माता सावित्रीबाई

फुले कन्या छात्रावास में मरारमाली समाज के जिलाध्यक्ष रमेश पंचे, राजेश मरार एवं अन्य पदाधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर आयोजित धरना प्रदर्शन में तोड़ फोड़ और पथराव की घटना को घडयंत्र बताया

हुए घटना की निंदा की है, तथा कहा है कि इस मामले में जो वास्तव में दोषी हैं उन पर कार्यवाही होनी चाहिये, लेकिन निर्दोषों को सजा नहीं मिलनी चाहिये। मरारमाली समाज जिलाध्यक्ष रमेश पंचे ने कहा कि जो कृत्य पुलिस अधिकारियों द्वारा किया गया, वह एक घृणित अपराध था, जिसके खिलाफ मरार माली समाज ने न्याय की मांग करते हुए शांतिपूर्ण धरना आंदोलन किया। इस प्रदर्शन में हमारे लोगों ने किसी भी तरह का उपद्रव नहीं किया। जिन लोगों ने थाने में तोड़-फोड़ की है उसके विरुद्ध कार्यवाही की जावे, परंतु जिन लोगों की इस कार्य में कोई भूमिका नहीं है उसे सजा नहीं मिलनी चाहिए। थाने में तोड़-फोड़ करने वालों को हमारे



समाज के पदाधिकारियों ने भी रोकने का प्रयास किया था। इस घटना में जरूर कोई घडयंत्र है, जिसकी जांच होनी चाहिए।

रमेश पंचे ने बताया कि रैली किरनापुर थाने से आगे निकल गई थी और कुछ लोग पीछे थे। इसी समय थाने से फोन आया कि 8-10 थाने में घुस गये है, उन्हें पदाधिकारी भेजकर समझा दो। जिस पर हम लोग थाने गये और थाने में मौजूद लोगों को वहां से निकलने के लिये समझाने लगे, परंतु वे हमारे साथ ही दुर्व्यवहार करने लगे और इसी दौरान गेट के पास खड़े कुछ और लोग थाने के भीतर पहुंच गये। श्री पंचे ने कहा कि थाने में घुसने वाले लोग हमें और हमारे पदाधिकारी को नहीं पहचानते थे और हम भी पुलिस अधिकारियों द्वारा किया गया, वह एक घृणित अपराध था, जिसके खिलाफ मरार माली समाज ने न्याय की मांग करते हुए शांतिपूर्ण धरना आंदोलन किया। इस प्रदर्शन में हमारे लोगों ने किसी भी तरह का उपद्रव नहीं किया। जिन लोगों ने थाने में तोड़-फोड़ की है उसके विरुद्ध कार्यवाही की जावे, परंतु जिन लोगों की इस कार्य में कोई भूमिका नहीं है उसे सजा नहीं मिलनी चाहिए। थाने में तोड़-फोड़ करने वालों को हमारे

मांग करते हुये कहा कि दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जावे, परंतु निर्दोषों पर कार्यवाही ना हो।

बोले राजेश मरार

जिला मरारमाली समाज बालाघाट के पदाधिकारी राजेश मरार ने कहा कि संपूर्ण प्रकरण की निष्पक्ष जांच करने के पश्चात ही कार्यवाही की जावे। उन्होंने कहा कि जो लोग थाने में अवैध रूप से प्रवेश किये थे इन्हें समझाने हम लोग गये थे परंतु उन्होंने हमें पहचानने से इंकार कर दिया और हमारे साथ ही मार-पीट करने पर उतारू हो गये। घटना का वीडियो फुटेज भी कई लोगों ने बनाया है। जिससे यह देखा जा रहा है कि थाने में मरार जाति के अलावा अन्य समाज के भी लोग है, जिनके विरुद्ध भी कार्यवाही की जावे। श्री मरार ने बताया कि हमे यह भी जानकारी मिली है कि किरनापुर पुलिस थाने के पूरे स्टाफ ने स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर वहां पदस्थ विभागीय अधिकारियों पर दबाव बनाया कि सभी पुलिस कर्मियों को चोटिल बताकर रिपोर्ट दी जावे। इसकी भी जांच होनी चाहिए।

बैगा बहुल दूरस्थ गांवों को आवागमन की बेहतर सुविधा के लिये कोरका से बालाघाट के लिए शुरू हुई नई बस सेवा..

जगप्रेरणा बालाघाट।
सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्री भगत सिंह नेताम ने बिरसा विकासखंड के ग्राम कोरका से बालाघाट के लिए नई बस सेवा का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनुपमा नेताम, क्षेत्र की पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। नई बस सेवा शुरू होने से बैगा जनजाति बहुल दूरस्थ ग्रामों के ग्रामीणों को बालाघाट जिला मुख्यालय तक आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। लंबे समय से इन क्षेत्रों के ग्रामीणों को आवागमन के लिए कठिनाइयों का



सामना करना पड़ रहा था। बस सेवा प्रारंभ होने से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, शासकीय कार्य एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए बालाघाट आने-जाने में सुविधा होगी।

इन गांवों से होकर गुजरेगी बस

नई बस सेवा ग्राम कोरका से प्रारंभ होकर बोंदारी, कुंडेकसा, अडोरी, घुमपुर, लंहाकन्हार, पाथरी, बिठली, चालिसबोड़ी और सोनेवानी होते हुए बालाघाट पहुंचेगी। इसी मार्ग से बस बालाघाट से कोरका वापस जाएगी। इससे मार्ग में आने वाले अनेक बैगा बहुल गांव सीधे बस सेवा से जुड़ जाएंगे।

दूरस्थ क्षेत्र में विकास की नई राह

नई बस सेवा को बैगा बहुल दूरस्थ क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण सुविधा के रूप में देखा जा रहा है। नियमित सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध होने से ग्रामीणों की जिला मुख्यालय तक पहुंच आसान होगी और क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है। साथ ही इन गांवों में पदस्थ शासकीय सेवकों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों ने बस सेवा प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि नियमित बस सुविधा से क्षेत्र के लोगों को रोजमर्रा के कार्यों के लिए आने-जाने में होने वाली परेशानी काफी हद तक कम होगी। यह सुविधा दूरस्थ गांवों को मुख्यालय से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विज्ञापन आमंत्रित है..

मो. हासिब खान

जिला सिवनी

संपर्क - मो. 7898530101

जग प्रेरणा

3

शुक्रवार 18 सितंबर 2026

live

जिला सिवनी

बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

धनौरा जनपद की ग्राम पंचायत साजपानी सहित कई पंचायतों में सेवा संकल्प अभियान का आगाज..

आशीर्वाद का दीया’ प्रज्वलन समारोह संपन्न..

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा शासन का सेवा संकल्प अभियान; साफ-सफाई के बाद शाम को दीप प्रज्वलित कर दिया जनकल्याण का संदेश..

जगप्रेरणा बलजीत सिंह धनौरा।

शासन-प्रशासन के निर्देशानुसार धनौरा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत साजपानी सहित विकासखंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों में ‘सेवा संकल्प अभियान’ की शुरुआत की गई।



सुबह स्वच्छता अभियान, शाम को दीप प्रज्वलन:

अभियान की रूपरेखा के तहत सुबह 9:00 बजे से ग्राम पंचायत साजपानी परिसर व

आसपास विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने श्रमदान किया। इसके उपरांत शाम 7:00 बजे पंचायत भवन प्रांगण में ‘आशीर्वाद का दीया’ प्रज्वलन समारोह गरिमायम माहौल में आयोजित किया गया। पंचायत भवन को आकर्षक विद्युत सज्जा और दीपों की पंक्तियों से सजाया गया था।

जनप्रतिनिधि और ग्रामीण रहे मौजूद..

समारोह के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, महिलाओं तथा विभिन्न विभागों के मैदानी कर्मचारियों ने एकत्रित होकर सामूहिक दीप प्रज्वलित किए और सुशासन व अंत्योदय के संकल्प को दोहराया। इस दौरान वक्ताओं ने शासन द्वारा संचालित इस माहव्यापी अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए आमजन से जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ने का आह्वान किया।

मोदी के जन्मदिवस पर सिवनी में सेवा का संकल्प, 108 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

जगप्रेरणा सिवनी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी जिला सिवनी द्वारा सेवा-संकल्प अभियान के अंतर्गत विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में 108 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर सेवा और सामाजिक सरोकार का संदेश दिया। शिविर में पहुंचे रक्तदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा कार्य के माध्यम से यादगार बनाने की भावना के साथ स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस दौरान भाजपा के विभिन्न मोर्चों एवं संगठनात्मक इकाइयों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी बड़-चढ़कर सहभागिता की।

भाजपा के विभिन्न मोर्चों के कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान..

भाजपा जिला मीडिया विभाग की ओर से मनोज मर्दन त्रिवेदी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ जिले में भव्यता के साथ हुआ। रक्तदान शिविर के प्रभारी



पीयूष दुबे के संयोजन में रक्तदान शिविर सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम - दिनेश राय मुनमुन..

सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन ने रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर रक्त उपलब्ध

होना उसके जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा-संकल्प के साथ रक्तदान करना समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा भावना को दर्शाता है। उन्होंने रक्तदान करने वाले सभी युवाओं, भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्यों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है।

जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की रही मौजूदगी..

विशाल रक्तदान शिविर में सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन, बरघाट विधायक कमल मर्सकोले, पूर्व सांसद ढाल सिंह बिसेन, पूर्व सांसद नीता पटेरिया, पूर्व विधायक नरेश दिवाकर, पूर्व जिला अध्यक्ष वेद सिंह ठाकुर, सुजीत जैन, सुदर्शन बाबूल, प्रेम तिवारी, राजेश त्रिवेदी एवं अशोक टेकाम सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर सेवा-संकल्प अभियान के जिला संयोजक गजानंद पंचेश्वर, जिला महामंत्री संतोष अग्रवाल, जिला महामंत्री मुकेश बघेल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अवैध शराब के ठिकानों पर डूण्डासिवनी पुलिस का कड़ा प्रहार

06 टिवंटल महुआ लहान नष्ट, भट्टी और उपकरण जप्त..

जगप्रेरणा डूण्डासिवनी।

पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी (भा.पु.से.) द्वारा जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं भंडारण पर पूर्णतः अंकुश लगाने हेतु सभी थाना प्रभारियों को सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।



उक्त निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सिवनी चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में थाना डूण्डासिवनी पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है।

17/09/2026 को थाना डूण्डासिवनी पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम गहरानाला के पास रेलवे पटरी किनारे नाले में कुछ लोगों द्वारा

अवैध कच्ची महुआ शराब बनाने का काम किया जा रहा है तथा शराब बनाने हेतु लहान एवं अन्य सामग्री नाले किनारे झाड़ियों में छुपाकर रखी गई है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना स्तर पर टीम गठित कर उक्त स्थान पर रेड कार्यवाही की गई।

मौके पर तलाशी लेने पर झाड़ियों के पास लगभग 40 डिब्बों में भरा करीब 06 क्विंटल महुआ लहान एवं शराब बनाने की भट्टी, मटके, गंजे आदि सामग्री मिली। पुलिस टीम द्वारा समस्त



लहान एवं उपकरणों को मौके पर ही विधिवत नष्ट किया गया। अवैध शराब बनाने वालों की तलाश जारी है।

सराहनीय भूमिका..

थाना प्रभारी निरीक्षक चैनसिंह उड्डे, सर्जन निसार खान, सर्जन बालकृष्ण त्रिगाम, प्र.आर. नितेश राजपूत, आर. हिमendra सहारे, आर. आशीष ठाकरे की सराहनीय भूमिका रही।

19 सितंबर को जैतपुर कलां में होगा विशाल इनामी दंगल

146 वर्षों से चली आ रही परंपरा, पंजाब-हरियाणा सहित कई राज्यों के पहलवान होंगे शामिल..

जगप्रेरणा सिवनी। सवनी के समीपस्थ ग्राम जैतपुर कलां में

भारतीय पारंपरिक मल्ल विद्या को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से विशाल इनामी दंगल का आयोजन 19 सितंबर, शनिवार को दोपहर 2 बजे से किया जाएगा।



यह आयोजन लगातार 146 वर्षों से राधाष्टमी की पवित्र तिथि पर परंपरागत रूप से आयोजित होता आ रहा है। आयोजन समिति के सदस्य बसंत बघेल ने बताया कि दंगल का उद्देश्य विलुप्त होती जा रही भारतीय मल्ल विद्या को संरक्षित करना तथा युवा पीढ़ी को इस पारंपरिक खेल से जोड़ना है।

दंगल में सिवनी जिले के साथ-साथ अन्य जिलों एवं राज्यों से भी पहलवान शामिल होंगे। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली सहित विभिन्न क्षेत्रों के पहलवानों के पहुंचने की संभावना है। दंगल में विजेता पहलवान को प्रथम

पुरस्कार 21,000 एवं शील्ड, द्वितीय पुरस्कार ₹11,000 एवं शील्ड तथा तृतीय पुरस्कार ₹5,100 एवं शील्ड प्रदान की जाएगी। इसके अलावा अन्य प्रतिभागी पहलवानों को मेडल आदि से सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष आयोजन समिति द्वारा दर्शकों एवं पहलवानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 36 फीट व्यास का स्थायी गोल अखाड़ा (गोदा) तैयार कराया गया है। इससे दर्शकों को कुश्ती मुकाबलों को बेहतर ढंग से देखने की सुविधा मिलेगी। दंगल में क्षेत्रीय विधायक, जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ सामाजिकजन एवं बड़ी संख्या में कुश्ती प्रेमियों के शामिल होने की उम्मीद है। विध्यवासिनी दंगल समिति ने क्षेत्र के समस्त कुश्ती प्रेमियों एवं पहलवानों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आयोजन में सहभागिता निभाने की अपील की है।

आज महाराजा शंकर शाह जी कुंवर रघुनाथ शाह जी का बलिदान दिवस मनाएगी कांग्रेस

जगप्रेरणा सिवनी। देश में ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफक्रांति लाने वाले, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर बलिदानी, 1857 की क्रांति के महानायक महाराजा शंकर शाह जी, कुंवर रघुनाथ शाह जी का 169 वां बलिदान दिवस

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय ईंदिरा भवन सिवनी में 18 सितम्बर 2026, दिन शुक्रवार को दोपहर 12 बजे, आयोजित है, ज्ञातव्य है कि महाराजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह गोंडवाना साम्राज्य

के महान शासक और 1857 की क्रांति के अमर शहीद थे, उन्होंने मातृभूमि को अंग्रेजों से आजाद करने के लिए अपने प्राणों की आहुती दे दी थी। अंग्रेजों के खिलाफ बगावत भड़काने के आरोप में 18 सितम्बर 1857 को जबलपुर में पिता और पुत्र को क्रूरता के साथ तोप के मुंह पर बांध कर उड़ा दिया गया था। आजादी के ऐसे महान सपूतों का बलिदान दिवस जिला कांग्रेस कार्यालय ईंदिरा भवन सिवनी में मनाया जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी ने समस्त कांग्रेस जनों से इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति हेतु अपील की है।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी

डॉ. आमिर अंसारी

MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP

डॉ. समरीन आमिर अंसारी

MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS

जिले का समय

सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक

हॉस्पिटल

विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध

पता- बड़ी उचारत डाल्डा फेक्ट्री रोड अकबर वाई सिवनी

मो.- 8817448039

कोटकसा मे महिलाएं व पुरुषो ने सामूहिक नशा मुक्ति अभियान रैली निकाल ग्रामीणों को दिया संदेश



शराब बेचने वाले व पीने वाले उत्पादियों को करेंगे पुलिस के हवाले..

जगप्रेरणा सिवनी। आदिवासी विकासखंड कुर्ई के अंतर्गत आने वाली बादलपार चौकी के ग्राम कोटकसा में 15 सितंबर मंगलवार को ग्राम की महिलाएं व पुरुषों ने सर्वसम्मती से निर्णय लिया गया कि ग्राम में कोई भी व्यक्ति शराब निकाल कर नहीं बेचेगा और ना ही शराब पीकर उत्पाद मचाएगा अगर जो भी गांव में उत्पाद मचाएगा

उन्हें समिति पकड़ कर पुलिस के हवाले किया जाएगा इसे लेकर आज गांव की महिलाएं एवं पुरुषों रैली निकाल कर घर-घर संदेश दिया इस दौरान बताया गया कि गांव में शराब से घर में शराब पीकर उत्पाद मचाते हैं जिससे आए दिन रोज लड़ाई झगड़ा होते रहते हैं जिससे

समाज धीरे-धीरे खोखला होते चला जा रहा है, जिसे अंकुश लगाना बहुत जरूरी हो गया है, महिलाएं घर में बहुत परेशान हो जाती है एवं पूर्व में कई बड़ी-बड़ी घटनाएं गांव में घटित हो चुकी है जिसे लेकर आज महिलाओं एवं पुरुषों ने पुलिस चौकी बादल पार को भी सूचना देकर गांव में बुलाई एवं पुलिस ने भी हर संभव मदद करने की बात कही।

ग्राम पंचायत सरपंच अनीता कुडपे, सचिव के के गोस्वामी चौकी प्रभारी इंजन सिंह मर्सकोले एवं आसपास की स्व सहायता समूह की महिलाएं भी उपस्थित थी जिसमें गांव में शराब बंदी को लेकर लिया गया था निर्णय में गांव में कोई शराब बेचेगा ना कोई पिपणा एवं जो पीके उत्पाद मचाएगा उसे पुलिस के हवाले किया जाएगा एवं प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान गांव की रविता तिजरे, सीमा देशमुख, रोशनी देशमुख, श्यामलता देशमुख, सविता सोनी,बिस्तो मालाधारी, राधा हिंगे, गीता मालाधारी, रुक्मणी वर्मा, रंजीत वर्मा, इतवारा वर्मा, गीता देशमुख ,सुनील सोनी, प्यारती परते, लक्ष्मी परते, बबौता कहार, ज्योति वर्मा, जूली वर्मा, बेबी वरकड सहित बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति में यह निर्णय लिया गया।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करें मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा

5

शुक्रवार 18 सितंबर 2026

लालबर्वा, बैहर, परसवाड़ा

कनकी, बेहरई, खमरिया, जाम, उकवा, मलाजखंड, बिरसा, गढ़ी, लामटा, चांगोटोला..

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

सुपखार में गूंज रही गजराजों की गूंज, धूमधाम से मनाया जा रहा हाथी महोत्सव..

15 से 20 सितंबर तक चल रहे आयोजन में हाथियों के स्वास्थ्य से लेकर पसंदीदा भोजन तक का रखा जा रहा विशेष ध्यान..

अजय रजक, जगप्रेरणा गढ़ी।



गजराजों की विशेष देखभाल की जा रही है। स्वास्थ्य जांच पर विशेष जोर..

महोत्सव के दौरान हाथियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। चिकित्सकों द्वारा हाथियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है, ताकि उनके स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी समस्या की समय रहते पहचान कर आवश्यक उपचार किया जा सके।

हाथियों की दिनचर्या, उनके व्यवहार और स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा रही है। उनके आराम और सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

दिन में तीन बार पसंदीदा भोजन..

गजराजों के खान-पान को लेकर भी विशेष व्यवस्था की गई है। महोत्सव के दौरान हाथियों को दिन में तीन बार उनका पसंदीदा भोजन

उपलब्ध कराया जा रहा है। पौष्टिक आहार के साथ उनकी जरूरतों के अनुरूप भोजन की व्यवस्था की गई है, जिससे वे स्वस्थ और प्रसन्न रहें।

सुपखार में आयोजित यह महोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता, संरक्षण और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करने वाला आयोजन बनकर सामने आ रहा है।

जंगल के बीच गजराजों की उपस्थिति और उनकी सेवा-सुरक्षा का यह दृश्य पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

20 सितंबर को महोत्सव के समापन के साथ यह आयोजन भले ही समाप्त हो जाएगा, लेकिन सुपखार की वादियों में गूंजती गजराजों की गूंज और उनके प्रति सम्मान का संदेश लंबे समय तक लोगों की स्मृतियों में बना रहेगा।

24 घंटे में डीजल चोरी का खुलासा, नैनपुर के 3 समेत 5 आरोपी गिरफ्तार

वर्कशॉप से चोरी हुआ 560 लीटर डीजल बरामद, वारदात में इस्तेमाल खिफ्ट डिजायर कार जब्त, 5.56 लाख रुपए का मशरूका बरामद

जगप्रेरणा चांगोटोला। ग्राम पंचपेढ़ी स्थित

वाहन रिपेयरिंग वर्कशॉप से 560 लीटर डीजल चोरी होने के मामले का चांगोटोला पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इनमें तीन आरोपी नैनपुर, जिला मंडला के रहने वाले हैं, जबकि दो आरोपी थाना परसवाड़ा क्षेत्र के निवासी हैं। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गया पूरा 560 लीटर डीजल बरामद करने के साथ ही वारदात में इस्तेमाल खिफ्ट डिजायर कार भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार जब्त मशरूके की कुल कीमत 5 लाख 56 हजार रुपए है। पुलिस के अनुसार ग्राम पंचपेढ़ी निवासी विनोद पटेल ने 16 सितंबर को थाना चांगोटोला में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि उसकी वाहन रिपेयरिंग वर्कशॉप में प्लास्टिक के डिब्बों में करीब 560 लीटर डीजल रखा हुआ था। 15 सितंबर की रात करीब 1 से 2 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति वर्कशॉप में रखा डीजल चोरी कर ले गए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अपराध क्रमांक 92/2026 के तहत बीएनएस की धारा 331(4), 305(ए),



परसवाड़ा क्षेत्र में दबिधा देकर दो आरोपी पकड़े

पूछताछ के दौरान सामने आई जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने थाना परसवाड़ा क्षेत्र में भी आरोपियों की तलाश की। यहां से आशू साहू और सतीश चौधरी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों की निशानदेही

3(5) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर सूचना से मिला सुराग

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चांगोटोला के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास की जानकारी जुटाने के साथ संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस को आरोपियों के मंडला की ओर जाने का सुराग मिला। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ग्राम पाद्रीगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास घेराबंदी की। यहां खिफ्ट डिजायर कार क्रमांक CG 04 HZ 2821 से अमन उर्फ कालू मानकर, ओमकार दास उर्फ बाबू और राहुल को पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की और उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए डीजल के संबंध में जानकारी जुटाई।

पर क्रमशः 170 लीटर और 220 लीटर डीजल बरामद किया गया। अन्य आरोपियों से बरामद डीजल को मिलाकर चोरी गया कुल 560 लीटर डीजल पुलिस ने जब्त कर लिया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल खिफ्ट डिजायर कार को भी जब्त किया है। डीजल की कीमत करीब 56 हजार रुपए बताई गई है, जबकि जब्त कार की कीमत करीब 5 लाख रुपए आंकी गई है। इस तरह पुलिस ने कुल 5 लाख 56 हजार रुपए का मशरूका बरामद किया है।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार

मामले में अमन उर्फ कालू मानकर (22), निवासी गोपीनंद मोहल्ल, पुरानी भट्टी, तहसील के पास नैनपुर; ओमकार दास उर्फ बाबू (18), निवासी राधाकृष्ण मंदिर के पास नैनपुर; राहुल (19), निवासी पुरानी बस्ती, राधाकृष्ण मंदिर के पास नैनपुर; आशू साहू (28), निवासी ग्राम चंदना, थाना परसवाड़ा और सतीश चौधरी (23), निवासी ग्राम कोसमी, थाना परसवाड़ा को गिरफ्तार किया गया है।

जब्त मशरूका: 560 लीटर डीजल, कीमत 56 हजार रुपए तथा खिफ्ट डिजायर कार क्रमांक CG 04 HZ 2821, कीमत 5 लाख रुपए। कुल जब्त मशरूका 5 लाख 56 हजार रुपए।

राष्ट्रीय कॉन्ट्रैक्टर लेबर यूनियन लालबर्वा ने धूमधाम से मनाई विश्वकर्मा जयंती..

पूजन-अर्चन कर श्रमिकों ने सुख-समृद्धि एवं कार्यक्षेत्र में उन्नति की कामना की, एकता और सहयोग का लिया संकल्प..

जगप्रेरणा लालबर्वा।

राष्ट्रीय कॉन्ट्रैक्टर लेबर यूनियन लालबर्वा द्वारा गुरुवार को भगवान विश्वकर्मा जयंती का पर्व धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर यूनियन से जुड़े पदाधिकारियों, सदस्यों, ठेकेदारों एवं श्रमिकों ने भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं कार्यक्षेत्र में उन्नति की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर विधिवत पूजन किया गया। श्रमिकों एवं कारीगरों ने अपने औजारों तथा कार्यस्थल की पूजा-अर्चना कर भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं यूनियन पदाधिकारियों ने भगवान विश्वकर्मा के सृजन, निर्माण एवं तकनीकी कौशल से जुड़े महत्व पर प्रकाश डाला।

मेहनत और हुनर से समाज के निर्माण में श्रमिकों का महत्वपूर्ण योगदान - अनीस खान कार्यक्रम में लालबर्वा-पांडरवानी सरपंच एवं विधायक प्रतिनिधि अनीस खान उपस्थित रहे उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा निर्माण, शिल्प एवं तकनीकी कौशल के प्रतीक माने जाते हैं। विश्वकर्मा जयंती श्रमिकों, कारीगरों एवं निर्माण



कार्य से जुड़े लोगों के लिए विशेष महत्व रखती है। भगवान विश्वकर्मा हमें सृजन, मेहनत, कौशल एवं ईमानदारी का संदेश देते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि श्रमिक वर्ग अपनी मेहनत और हुनर के माध्यम से समाज एवं देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता आ रहा है। ऐसे में श्रमिकों के सम्मान, एकता एवं अधिकारों के लिए सभी को मिलकर कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं भी प्रेषित

कीं। कार्यक्रम के दौरान यूनियन के सदस्यों ने आपसी एकता, सहयोग एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं दीं। समारोह उत्साहपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अतिथिगण, राष्ट्रीय कॉन्ट्रैक्टर लेबर यूनियन के पदाधिकारी एवं सदस्य, ठेकेदार, श्रमिक तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सरपंच मालती उइके ने कहा - मजदूरी भुगतान में देरी से पंचायत के काम प्रभावित

जून से लंबित भुगतान को लेकर श्रमिकों में नाराजगी, शीघ्र भुगतान की मांग

संजना मोनू बर्वे, जगप्रेरणा उकवा।

ग्राम पंचायत बिठली की सरपंच मालती अर्जुनसिंह उइके ने मनरेगा के तहत कार्यरत मजदूरों की लंबित मजदूरी को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि 'जून माह से मजदूरों को उनकी मजदूरी का भुगतान नहीं हो पाया है।

मजदूरों को समय पर भुगतान नहीं मिलने से पंचायत में चल रहे निर्माण एवं मनरेगा कार्यों पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। सरपंच ने कहा कि मजदूर दिनभर मेहनत कर पंचायत के विकास कार्यों में अपना योगदान दे रहे हैं, लेकिन लंबे समय से मजदूरी का भुगतान नहीं होने के कारण उनके सामने आर्थिक कठिनाइयां खड़ी हो रही हैं। भुगतान में लगातार देरी होने से मजदूर पंचायत के कार्यों में मजदूरी करने से भी हिचकने लगे हैं, जिससे आगामी निर्माण कार्यों को समय



पर पूरा कराने में परेशानी की स्थिति बन रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि बिठली पंचायत के मनरेगा मजदूरों की लंबित मजदूरी का शीघ्र भुगतान कराया जाए, ताकि श्रमिकों को राहत मिल सके और पंचायत के विकास कार्य भी प्रभावित न हों। सरपंच मालती अर्जुनसिंह उइके ने कहा कि

मजदूरों को उनकी मेहनत की राशि समय पर मिलना जरूरी है। यदि भुगतान की समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो इसका असर पंचायत के आगामी कार्यों और श्रमिकों की उपलब्धता पर पड़ सकता है। उन्होंने जनपद पंचायत बैहर एवं जिला प्रशासन से मामले में तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की अपेक्षा जताई है।



जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

मायल सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति, उकवा द्वारा स्थापित भगवान श्री गणेश की प्रतिमा



जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

नवचेतना गणेश उत्सव समिति, उकवा द्वारा स्थापित भगवान श्री गणेश की प्रतिमा



जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

मित्र मण्डल गणेश उत्सव समिति बाजार चौक, उकवा द्वारा स्थापित भगवान श्री गणेश की प्रतिमा



जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

बाल गणेश उत्सव समिति, उकवा द्वारा स्थापित भगवान श्री गणेश की प्रतिमा



लांजी मे धान, अरहर एवं उद्यानिकी फसलों का दल ने किया निरीक्षण..



जगप्रेरणा लांजी।
धान की फसल में माहू के प्रकोप की स्थिति को देखते हुए कृषि विभाग सतर्क हो गया है। प्रभावित ग्रामों में फसलों की स्थिति का जायजा लेने के लिए कृषि विभाग के मैदानी अमले द्वारा लगातार खेतों का निरीक्षण किया जा रहा है।

उप संचालक कृषि बालाघाट फूलसिंह मालवीय द्वारा गठित जिला स्तरीय संयुक्त दल के दल प्रमुख अनुविभागीय कृषि अधिकारी लांजी राजेश खोबरागड़े एवं सदस्य वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कुलदीप गणवीर, कृषि विकास अधिकारी अमित नारनारे तथा कृषि विस्तार अधिकारी विनय प्रकाश बागड़े एवं कृष्ण कुमार खरे द्वारा विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर खेतों में फसलों का निरीक्षण किया गया।

माहू एवं झुलसा की स्थिति का लिया जायजा

क्षेत्र भ्रमण के दौरान खेतों में लगी फसलों में माहू एवं झुलसा की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया गया। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रभावित कीट एवं रोग के अनुसार संभावित जैविक अथवा रासायनिक उपचार की सलाह किसानों को दी जा रही है। जैविक उपचार के तहत निमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्निअस्त्र आदि अर्क के उपयोग की सलाह दी जा रही है।

कृषकों को बताया गया कि वे अपने क्षेत्र के नजदीकी बीआरसी (बायो रिसोर्स सेंटर) केंद्र कालीमाटी, करेजा, वाघाटोला, मनैरी, नेवरवाही एवं अधियाटोला से जैविक दवाओं के लिए संपर्क कर सकते हैं। साथ ही किसानों से अपनी फसलों की नियमित निगरानी करने तथा कीट

प्रकोप दिखाई देने पर तत्काल कृषि विभाग के मैदानी अमले से संपर्क करने की अपील की गई है, ताकि समय रहते आवश्यक उपाय किए जा सकें।

आवश्यकतानुसार रासायनिक दवाओं के उपयोग की सलाह

कृषि विभाग द्वारा भूरा माहू के नियंत्रण के लिए पायमेट्राजिन 15 + डायनोटेंथ्रूपूरॉन 45 डब्ल्यूजी, पायमेट्राजिन 50 डब्ल्यूजी, फेनमेजोडिडियाज या ट्रिफ्लुमेजोपाइरिड के उपयोग की सलाह दी जा रही है। वहीं जीवाणु जनित झुलसा (बीएलबी) के लिए स्ट्रेप्टोमायसिन सल्फेट + टेट्रासाइक्लिन, वेलिडामायसिन या एजोक्सिस्ट्रोबिन तथा शीथ ब्लाइट के लिए हेक्साकोनोजोल + वेलिडामायसिन या टैबूकोनोजोल 50 प्रतिशत + ट्राइफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25 प्रतिशत के उपयोग की सलाह दी गई है।

यूरिया का कम प्रयोग करने की सलाह

कृषकों को यूरिया का कम एवं संतुलित प्रयोग करने के साथ खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखने की सलाह दी गई। कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों से अपील की कि कृषि केंद्रों से दवाइयां कृषि विभाग के परामर्श के बाद ही खरीदें तथा दवा खरीदते समय पक्का बिल अवश्य लें।

मैदानी अमले का निरंतर निरीक्षण जारी

वर्तमान फसल क्षति की स्थिति को देखते हुए कृषि विभाग के समस्त क्षेत्रीय अधिकारी संबंधित क्षेत्रों में प्रतिदिन दौरा कर किसानों के बीच पहुंचकर आवश्यक सलाह दे रहे हैं। 17 सितंबर

को क्षेत्र के बहेला, कटंगी (ब), घंसा, मोहारा, कालीमाटी, नंदोरा, घोटी, केरगांव, अमेड़ा (ब), वारी, डोंगरगांव, दिघोरी, सिहारी, आवा-चुरली, भानेगांव, चिखलामाली, मोहझरी, कुम्हारीकला, पाथरगांव, दुलापुर एवं खरेंगांव का दौरा किया गया।

ज्ञात हो कि कृषि विभाग में मैदानी अमले की सीमित संख्या के बावजूद प्रतिदिन अधिक से अधिक ग्रामों को कवर करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि किसानों को फसल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए समय पर आवश्यक मार्गदर्शन मिल सके।

फसल विविधीकरण के तहत आय बढ़ाने के लिए किसानों को किया प्रेरित

निरीक्षण के दौरान लांजी के उन्नतशील कृषक योगेश रामटेकर के खेत में लगभग एक हेक्टेयर क्षेत्र में कतारबद्ध विधि से लगाई गई अरहर की फसल का भी मुआयना किया गया। फसल में आर्मीवर्म (इल्ली) का प्रभाव देखा गया। संयुक्त दल द्वारा इसके उपचार के लिए जैविक तथा आवश्यकतानुसार रासायनिक दवाओं के उपयोग की सलाह दी गई। कृषक द्वारा अपनाई गई उन्नत कृषि पद्धति से प्रभावित होकर संयुक्त दल ने उनकी सराहना की तथा अन्य कृषकों को भी उन्नतशील कृषि अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसी दौरान निमटोला, लांजी निवासी उन्नतशील कृषक गुलाबचंद बढ़गैया के खेतों का भी निरीक्षण किया गया। कृषक बढ़गैया लांजी में बहुमसलीय एवं फसल विविधीकरण के लिए काफी प्रचलित हैं। उन्होंने अपने खेतों में बैंगन, भिंडी, सूरन, अरबी, गेंदा, आम सहित विभिन्न फसलों को लगाकर आय में वृद्धि की है और बहुमसलीय खेती की मिसाल प्रस्तुत की है।

सेवा संकल्प अभियान.. प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस पर नगर में 13 हजार से ज्यादा दीप जलाकर दी बधाईया..



जगप्रेरणा लांजी।
सेवा, सहभागिता और जनकल्याण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शासन के निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान-2026 का शुभारंभ गुरुवार 17 सितंबर की शाम लांजी नगर में भव्य रूप से किया गया। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित

‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम के तहत नगर के विभिन्न प्रमुख स्थलों और सभी वार्डों में लगभग 13 हजार दीप प्रज्वलित किए गए। दीपों की रोशनी और आकर्षक लाइटिंग से नगर का वातावरण उत्सवमय नजर आया।

शाम 7 बजे से कोटेश्वर मंदिर परिसर, काली मंदिर परिसर, गायत्री मंदिर परिसर, सुभाष चौक बस स्टैंड, गणेशी तालाब, नगर परिषद कार्यालय परिसर, अमृत बाल उद्यान सहित नगर के सभी वार्डों में दीप प्रज्वलन किया गया। विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों सहित नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। दीपों की कतारों से नगर परिषद परिसर सहित प्रमुख स्थान जगमगा उठे।

कार्यक्रम में विधायक राजकुमार कराहे, मंडल

अध्यक्ष लांजी आलोक चौरसिया, जिला पंचायत विधायक प्रतिनिधि गौरव बैस, सांसद प्रतिनिधि राकेश रामटेकर, मंडल अध्यक्ष बिसोनी देवेश ऐडे सहित नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप रामटेकर मौजूद रहे।

नगर परिषद के सभापति, पार्षद किशोर रामटेकर, दिनेश कचवाहे, विजय गोस्वामी, शिखा गोस्वामी, कस्तुरा वाकडे, संजय सैय्याम, विभा तिवारी, पूनम आसटरकर, प्रेमलता खोब्रागड़े, कल्पना डोलस, तेजेश्वरी गोधुले, सौरभ (मोन्) पशीने, मुकेश रणदिवें एवं मनोनीत पार्षद अविनाश रैच, सुशीला दुग्गड और प्रागति पालिवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इसके अलावा गणमान्य नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं में मोना सिद्धू कौर, श्यामा मुरकुटे, वीणा उपराडे, मीना बिलगौर, मनीषा दुग्गड, विनोद तिडके, प्रमिला तिडके, कांता तिडके, पूनलाल जैतवार, गीता रामटेकर, सुमन आसटरकर, योगेश रामटेकर, मधु आसटरकर, लक्ष्मण रामटेकर, ओमू आसटरकर, राजू मोहारे, रोशन आसटरकर, टीसी बिहोने और मनोज किर्नापुरे सहित नगर प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों ने सहभागिता की।

10 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान सेवा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण, शिक्षा, महिला स्वास्थ्य, सामाजिक सरोकार और जनजगत्करता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।

अभियान में आशीर्वाद का दीया, सेवा चित्र, नमो सेवा, आंगन का मिलन, सेवा की कहानी, सेवा ज्योति कलश यात्रा, वडनगर-वाराणसी सेवा यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु-साकार आपके द्वार, सेवा के रंग, 25 साल-25 कहानियाँ, नेशनल अनर्बोक्सिंग, विकसित भारत संकल्प यात्रा सहित विभिन्न गतिविधियाँ प्रस्तावित हैं।

इसके साथ ही रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर, अंगदान संकल्प, पोषण एवं एनीमिया जागरूकता, महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, कचरा पृथक्करण एवं कंपोस्टिंग, जल संरक्षण एवं जलस्रोत सफाई, योग, खेल, ग्राम सेवा, शिक्षा सहयोग, साक्षरता एवं जागरूकता, सामाजिक सरोकार एवं सम्मान तथा करियर काउंसलिंग जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

नगर परिषद की ओर से अभियान में अधिक से अधिक नागरिकों से सहभागिता कर सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण के इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने की अपेक्षा की गई है।

भय से भरोसे तक पहुंचाने की पहल, प्रभावित बच्चों और उनके परिजनों के लिए भोजन - नाश्ते के साथ राशन की व्यवस्था..

बिटली, सोनगुड़ा और बिरसा के उपस्वास्थ्य केंद्रों व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की सेवा में जुटे रामेश्वर कटरे

जगप्रेरणा परसवाड़ा।
वनांचल के दूरस्थ और बैगा बहुल गांवों में लंबे समय से सामाजिक सेवा के माध्यम से ग्रामीणों से जुड़ने वाले रामेश्वर कटरे इन दिनों स्वास्थ्य केंद्रों में उच्चार कर रहे प्रभावित बच्चों और उनके परिजनों की मदद में जुटे हैं।

बुधवार 16 सितंबर को उन्होंने दक्षिण बैहर के बिरसा, सोनगुड़ा और बिटली के उपस्वास्थ्य केंद्रों के साथ बैहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर मरीजों और उनके परिजनों से संवाद किया। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति की जानकारी लेने के साथ जरूरतमंद परिवारों के लिए भोजन, नाश्ता और राशन सामग्री की व्यवस्था की गई।

रामेश्वर कटरे ने बताया कि पिछले कई दिनों से प्रभावित क्षेत्र के लोग उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्रों का रुख कर रहे हैं। उनका कहना है कि कुछ समय पहले तक बीमारी और संक्रमण की आशंका के बीच कई माता-पिता बच्चों को अस्पताल लाने में डर या संकोच महसूस करते थे। अब स्थिति में बदलाव देखने को मिल रहा है। माता-पिता बच्चों को लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं, चिकित्सकों से उपचार करा रहे हैं और उपचार के बाद स्वस्थ होकर घर लौट रहे हैं। उनके अनुसार अस्पतालों में बच्चों की संख्या बढ़ना इस बात का संकेत है कि ग्रामीणों में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भरोसा मजबूत हो रहा है।
बिटली में क्षमता से अधिक बच्चे

पहुंचे, भोजन व्यवस्था पर पड़ा असर

बिटली स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए पहुंचे प्रभावित बच्चों की संख्या उपलब्ध बेड की क्षमता से अधिक हो गई। बच्चों के साथ उनके माता-पिता और भाई-बहन भी अस्पताल पहुंच रहे हैं। इससे मरीजों के साथ आए परिवारों के भोजन की व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ा। चिकित्सकों ने फैन पर इसकी जानकारी कटरे को दी। इसके बाद वे साथियों के साथ बिटली पहुंचे और स्थिति को समझते हुए भोजन व्यवस्था में सहयोग किया।

इसके बाद सोनगुड़ा, बिरसा और बिटली में मरीजों और उनके परिजनों के लिए राशन सामग्री उपलब्ध कराई गई। सुबह-शाम नाश्ते और भोजन की व्यवस्था भी की गई। कटरे ने परिवारों से संवाद कर उन्हें भरोसा दिलाया कि मौजूदा परिस्थितियों में वे उनके साथ खड़े हैं और आगे भी किसी प्रकार की आवश्यकता होने पर तत्काल जानकारी देने के लिए कहा।

मरीजों से संवाद में सामने आया भरोसे का बदलाव

स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंचकर कटरे ने मरीजों और उनके परिजनों से उनकी समस्याओं तथा उपचार को लेकर बातचीत की। उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान कई लोगों ने कहा कि अब स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर वे पहले अस्पताल पहुंचेंगे और चिकित्सकों से उपचार कराएंगे।

रामेश्वर कटरे का कहना है, “पहले लोगों के मन में अस्पताल जाने को लेकर डर और संकोच था। अब वे खुद बच्चों को लेकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंच रहे हैं। मरीजों ने भी कहा है कि आगे स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर उनकी पहली प्राथमिकता चिकित्सकों से इलाज करवाना होगी। यही बदलाव इस क्षेत्र में अपेक्षित था।”

उन्होंने कहा कि किसी भी स्वास्थ्य संकट के समय मरीज के साथ उसके माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य भी रहते हैं। इसलिए केवल मरीज के उपचार की चिंता पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके साथ आए परिवार के भोजन और अन्य आवश्यकताओं का भी ध्यान रखना जरूरी है। इसी सोच के साथ वर्तमान में स्वास्थ्य केंद्रों पर सहयोग किया जा रहा है।
15 वर्षों से बैगा गांवों में सेवा का सिलसिला

रामेश्वर कटरे पिछले करीब 15 वर्षों से दक्षिण बैहर के दूरस्थ वनांचल और बैगा बहुल गांवों में सामाजिक सेवा से जुड़े हैं। कुकड़ा, कोरका, मालता, धर्मशाला, कुडुक्शा और कोहनीमोर सहित अन्य गांवों में पहुंचकर उन्होंने बच्चों और महिलाओं की जरूरतों के अनुसार कपड़े, जूते-चप्पल, मच्छरदानी और दैनिक उपयोग की सामग्री उपलब्ध कराने का काम किया है। इसके साथ ग्रामीणों के बीच शिक्षा, स्वच्छता और समय पर उपचार के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

दूरस्थ गांवों में संपर्क के दौरान सड़क, पुलिस और जरूरी दस्तावेजों जैसी समस्याएं भी सामने आईं। कुकड़ा में ग्रामीणों के पास आधार, समग्र आईडी और राशन कार्ड जैसे दस्तावेज नहीं होने की जानकारी मिलने पर प्रशासन से संपर्क कर शिविर के माध्यम से दस्तावेज बनवाने की पहल की गई। इस तरह सामाजिक सेवा को केवल सामग्री वितरण तक सीमित रखने के बजाय ग्रामीणों की मूलभूत समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास भी किया जा रहा है।
कोहनीमोर जैसे दूरस्थ गांवों तक पहुंच बनाई

कटरे ने बताया कि वन क्षेत्र के कई गांव आज भी मुख्य मार्ग और सुविधाओं से दूर हैं। कोहनीमोर जैसे गांव में करीब दो किलोमीटर कच्चे



से दूर हैं। कोहनीमोर जैसे गांव में करीब दो किलोमीटर कच्चे और कठिन रास्ते से पहुंचकर घर-घर ग्रामीणों से संपर्क किया गया। ग्रामीणों की वास्तविक जरूरतों को समझने के लिए सीधे उनके बीच पहुंचने को उन्होंने सेवा कार्य का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उनका कहना है कि सक्षम लोगों को भी ऐसे दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए आगे आना चाहिए।

मंत्री कुंवर विजय शाह ने भी की सेवा कार्यों की सराहना

बैगा गांवों में किए जा रहे सामाजिक सेवा कार्यों की मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग मंत्री कुंवर विजय शाह ने भी



मुक्त कंठ से सराहना की थी। दूरस्थ आदिवासी अंचल में लगातार पहुंचकर ग्रामीणों और जरूरतमंद परिवारों के बीच किए जा रहे सेवा कार्यों को उन्होंने सराहा। कटरे का कहना है कि ऐसे प्रयास तभी प्रभावी हो सकते हैं, जब समाज के अन्य सक्षम लोग भी आगे आकर सहयोग करें।
मुख्यमंत्री के समक्ष होम स्टे और ईको-टूरिज्म का सुझाव

कटरे ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष दक्षिण बैहर के वनांचल में होम स्टे और ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने का सुझाव भी रखा था। उनका कहना है कि क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा, जंगल, जनजातीय संस्कृति और पारंपरिक जीवजशील को

पर्यटन से जोड़ा जाए तो स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। जिन क्षेत्रों को लंबे समय तक पिछड़ेपन और नक्सल

गतिविधियों की छाया के कारण अलग पहचान मिली, वहां विकास और रोजगार के माध्यम से नई संभावनाएं तैयार की जा सकती हैं।

‘भय से भरोसे’ तक पहुंचना सबसे बड़ा बदलाव

कटरे के अनुसार वर्तमान सेवा कार्य का उद्देश्य केवल भोजन या राशन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य केंद्रों और ग्रामीणों के बीच भरोसे को मजबूत करना भी है। उनका कहना है कि जब कोई परिवार बीमारी के समय बिना डर के अस्पताल पहुंचता है और चिकित्सकों पर विश्वास करते हुए उपचार कराता है, तो यह पूरे क्षेत्र के लिए सकारात्मक बदलाव है। “भय से भरोसे तक का यह बदलाव इस क्षेत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता थी। यह किसी एक व्यक्ति का प्रयास नहीं, बल्कि चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, ग्रामीणों और समाज के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। हमारा प्रयास है कि संकट की इस घड़ी में कोई परिवार खुद को अकेला महसूस न करे और जरूरत पड़ने पर सबसे पहले स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।”

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

7

शुक्रवार 18 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

साहित्य अभिव्यक्ति

■ संपादकीय ■ लेख ■ कविता ■ व्यंग्य ■ महाशब्द पहेली (शब्द ज्ञान)



दैनिक जग प्रेरणा
में साहित्य लेख
रचनाएं प्रकाशन के
लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

शंकर शाह – रघुनाथ शाह के बलिदान से प्रेरणा..

1857 से 1947 तक देश की स्वतंत्रता के लिए आदिवासी नेताओं द्वारा किए गए बलिदानों का एक क्रांतिकारी इतिहास रहा है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल बड़े शहरों, राजधानियों और राजनीतिक नेतृत्व के संघर्ष का इतिहास नहीं है, बल्कि यह उन जंगलों, पहाड़ों और गांवों में लड़ी गई उन असंख्य लड़ाइयों का भी इतिहास है, जिनमें आदिवासी समुदायों ने अपनी जमीन, जंगल, संस्कृति, स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। आदिवासी समाज ने औपनिवेशिक शासन को केवल राजनीतिक सत्ता के रूप में नहीं, बल्कि अपनी पारंपरिक जीवन-पद्धति, सामुदायिक विरासत है। उनका महत्व इसलिए भी अधिक है कि उन्होंने उस दौर में संघर्ष किया, जब आधुनिक राजनीतिक संस्थाओं, संचार माध्यमों और संगठित आंदोलनों के संसाधन उनके पास नहीं थे। इसके बावजूद उन्होंने स्थानीय समाज को संगठित किया और औपनिवेशिक सत्ता की जड़ें चुनौती दी। राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह गोंडवाना साम्राज्य के जबलपुर क्षेत्र के महान शासक और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी थे। राजा शंकर शाह और उनके पुत्र रघुनाथ शाह ने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध बगावत की योजना बनाई। उन्होंने अंग्रेजों की बटालियन को चुनौती देने के लिए स्थानीय सैनिकों और जनता को संगठित किया। अंग्रेजों को जब उनकी गुप्त योजना का पता चला, तो उन्हें 14 सितंबर 1857 को गिरफ्तार कर लिया गया। ब्रिटिश अधिकारियों ने उन पर देशद्रोह का मुकदमा चलाया और 18 सितंबर 1857 को जबलपुर के मालगोदाम चौक पर दोनों पिता-पुत्र को तोप के

मुंह से बांधकर उड़ा दिया गया। राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान न केवल गोंडवाना के इतिहास में, बल्कि पूरे भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखता है। उनका संघर्ष और बलिदान यह बताता है कि औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध प्रतिरोध देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग रूपों में चल रहा था। आदिवासी समाज ने भी स्वतंत्रता को अपने जीवन, भूमि और सामुदायिक अधिकारों से जोड़कर देखा था। उनकी शहादत का ऐतिहासिक मूल्य केवल इस बात में नहीं है कि उन्होंने अंग्रेजी शासन का विरोध किया, बल्कि इस बात में भी है कि उन्होंने स्वाधीनता को आत्मसम्मान और अपने समाज की स्वतंत्र सामाजिक व्यवस्था की रक्षा के रूप में समझा। इसलिए उनका बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की व्यापक और बहुस्तरीय परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनका यह त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत बना रहेगा। उनकी शहादत की याद में हर साल 18 सितंबर को मध्य प्रदेश और देश भर में उनका बलिदान दिवस मनाया जाता है। दूसरी ओर शंकर शाह की विधवा रानी फूलकुंवर भी शत्रु पिरगियों से बदला लेने का संकल्प कर मंडला आ गई। उन्होंने सेना को एकजुट कर पिरगियों के विरुद्ध आमरण संघर्ष छेड़ दिया और अंततः आत्मोत्सर्ग किया। रानी फूलकुंवर का संघर्ष इस बात का प्रमाण है कि आदिवासी प्रतिरोध केवल पुरुष योद्धाओं तक सीमित नहीं था। आदिवासी महिलाओं ने भी औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपने जीवन का बलिदान दिया।

उसी परंपरा को जवाहर सिंह बुंदेला, मधुकर शाह, द्विर्लो शाह, शिवेंद्र शाह, हिंदेंद्र शाह, हिम्मत सिंह गोंड और भाव सिंह गोंड जैसे कई नायकों ने आगे बढ़ाया। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों का नेतृत्व किया और स्वतंत्रता संग्राम को आगे बढ़ाया था। इन सभी संघर्षों को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की मुख्यधारा के इतिहास में पर्याप्त स्थान मिलना इसलिए जरूरी है, क्योंकि इनके बिना स्वतंत्रता

संघर्ष की वास्तविक सामाजिक और भौगोलिक व्यापकता अधूरी रह जाती है। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मूल्य यह है कि उन्होंने औपनिवेशिक शासन की उस व्यवस्था को चुनौती दी, जिसने प्राकृतिक संसाधनों और भूमि पर राज्य का नियंत्रण बढ़ाया और सदियों से चले आ रहे सामुदायिक अधिकारों को कमजोर किया। जंगल उनके लिए केवल लकड़ी या राजस्व का स्रोत नहीं था, वह उनकी अर्थव्यवस्था, संस्कृति, आस्था, सामाजिक व्यवस्था और जीवन का आधार था। इसलिए आदिवासी विद्रोहों को केवल स्थानीय या सीमित विद्रोह मानना उनके ऐतिहासिक महत्व को कम करना होगा।

ये संघर्ष औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध स्वाधिकार और स्वायत्तता के व्यापक प्रतिरोध का हिस्सा थे। उनकी शहादत यह सवाल भी सामने रखती है कि आजादी का अर्थ केवल विदेशी शासन का अंत नहीं, बल्कि उन समुदायों के अधिकारों और गरिमा की बहाली भी होना चाहिए, जिन्होंने स्वतंत्रता के लिए सबसे बड़ी कीमत चुकाई। आजादी के बाद संविधान सभा में आदिवासियों का प्रतिनिधित्व बेहद सीमित रहा था। उनके पारंपरिक अधिकारों की बहाली की जगह उन्हें केवल आरक्षण और कुछ प्रशासनिक छूट दी गई। औपनिवेशिक कानून, विशेषकर भूमि और वन संबंधी, लगभग जस के तस जारी रहे, जिससे आदिवासी अपनी ही पुरखों की जमीन पर =अतिक्रमणकारी= हो गए। यहीं आदिवासी बलिदान की ऐतिहासिक विरासत और स्वतंत्र भारत की वास्तविकता के बीच एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा होता है।

जिन समुदायों ने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध अपनी भूमि और जंगलों की रक्षा के लिए संघर्ष किया, उन्हीं समुदायों को स्वतंत्रता के बाद भी अपनी जमीन, जंगल और प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार के लिए संघर्ष करना पड़ा। इसलिए आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति केवल अतीत को याद करने का अवसर नहीं है, यह स्वतंत्रता के अर्थ

और उसके अधूरे वादों पर विचार करने का अवसर भी है। आज आदिवासी समुदाय अपनी पहचान, संस्कृति और अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। भाषाओं और बोलियों का खत्म होना, आजीविका के साधनों का खत्म होना, शहरी पलायन और मुख्यधारा में जबरन समावेश के दबाव से उनकी स्वायत्त जीवनशैली कमजोर हो रही है। विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों की लूट और पर्यावरणीय विनाश उनके पारिस्थितिकी-आधारित जीवन को लगातार खतरे में डाला जा रहा है। ऐसे समय में राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह, रानी फूलकुंवर और उन तमाम आदिवासी नायकों की स्मृति का अर्थ केवल उन्हें श्रद्धांजलि देना नहीं है।

उनकी विरासत हमें यह याद दिलाती है कि स्वतंत्रता का संघर्ष सत्ता परिवर्तन भर नहीं था, वह सम्मान, स्वायत्तता, संसाधनों पर अधिकार और अपने तरीके से जीवन जीने के अधिकार का भी संघर्ष था। इसलिए आदिवासी बलिदान का इतिहास भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की परिधि का इतिहास नहीं, बल्कि उसके व्यापक जनाधार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन सेनानियों की शहादत को इतिहास में उचित स्थान देना केवल अतीत के साथ न्याय करना नहीं, बल्कि वर्तमान में आदिवासी समाज के अधिकारों, गरिमा और अस्तित्व के प्रश्न को समझने की भी एक जरूरी कड़ी है। राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह की शहादत से लेकर आज के आदिवासी अधिकार आंदोलनों तक संघर्ष की यह परंपरा हमें बताती है कि जल, जंगल, जमीन और स्वाभिमान की रक्षा की लड़ाई किसी एक कालखंड तक सीमित नहीं रही है। यह संघर्ष इतिहास की निरंतर धारा है और आदिवासी बलिदान उसकी सबसे महत्वपूर्ण स्मृतियों में से एक है।

राज कुमार सिन्हा
बरगी बांध विस्थापित
एवं प्रभावित संघ

दशा महा दशा..

एक छोटा सा शहर।
समस्या ग्रस्त हो गया।
शासन-प्रशासन।
चर्चित कर दिया।
वास्तविक तथ्य।
समयानुसार हल।
कर लिए होते।
पुरुरस्कार के हकदार।
बन गए होते।
जब निर्णय छमता।
दूसरे के अधीनस्थ होगी।
तब सोचिए।
इनकी शिक्षा कैसी होगी।
सब जगह समय पास।

करते रहते थे।
तब शिकायतों का।
अंदाज नहीं
रहता था।
अब समझ आया।
चरण वन्दना
का नैतिक फल।
मूल्यांकन कैसा
हो रहा है?

लेखक



**आचार्य डॉ.वीरेन्द्र
सिंह महरवार 'वीर'**

बुन्देली चौकडियाँ

गमरा भलौ
बुरव कै जाबै,
नेक रंज ना पाबै।
नरदा सें
बखरी कौ सबरौ,
भलौ बुरव बै आबै।
ऊकी करनीं
ऊकी भरनी,
ऊ पाछें पछताबै।
हँस मुस्कान
सोंप दो नंद,
गैल गली मिल जाबै।

सबके सब हैं
आप फरेबी,
एक सें बढ कर ऐबी।
झूटइ लेना झूट चवेंना,
झूटी साँसी कैबी।
पद पदबी
पाबें के काजें,
नटवर बन कें रेबी।
काटौ नन्द इनें
तुम जर सें,
कभउँ न पानूँ देबी।

**रामानन्द
पाठक नन्द**

शब्दवर्गपहेली क्र.- 275

1	2	3	4		5		6		7	8	9		10		11		12	13		14
15				16			17	18							19					
20			21			22				23	24		25				26			
	27	28		29	30					31							32			
33			34		35		36		37			38	39		40				41	
		42		43			44	45		46	47			48				49		
50	51		52				53		54				55		56		57		58	
59		60				61						62							63	
	64		65					66		67				68		69				
70					71		72		73			74	75			76			77	
			78	79			80	81		82	83				84			85		
	86	87				88		89			90	91				92	93			94
95				96				97		98					99				100	
101			102				103			104				105				106		
107		108				109			110					111		112		113		
114				115				116				117								

ck;। I nk;। :-1) सफलता 5) मालूम करना 7) टालमटोल करना अर्थवाला 12) सुकुमारी 15) लाक्षणिक दृष्टि से सर्वस्व 17) अत्याचारी (उर्दू) 19) योग्यता 20) दौड़ (अंग्रेजी) 21) किश्ती 22) पुष्प पराग 23) घुमक्कड़, यायावर 26) अदाकार 27) चरित्र 29) नदी या समुद्र में ऊंची उठती जलराशी 31) एक प्रसिद्ध नहर 32) बिहार की राजधानी 33) बलराम 35) महोदय 37) दरिद्र, अत्यंत गरीब 38) नदी का किनारा 40) आभूषण 41) अग्नि 42) सुंघनी जो नाक में डाली जाती है 44) ईश्वर, (उर्दू) 46) जम्मू – कश्मीर में स्थित एक पर्यटन स्थल 50) विस्फोटक गोला 52) चांदी 53) पहले से बनाया हुआ 55) दोनों हाथोंसे फैलाना 57) स्याही, मैल 59) एक जलचर प्राणी 61) लालसा, अभिलाषा 62) खाने में तीखा 63) बुरा 64) अत्याचारी 66) परामर्शदाता 68) अभिनेता शशी कपूर की इस बेटी ने एक दो फिल्म

में अभिनय किया था 70) खारा होने का भाव 71) आक्रमण 73) पत्र (उर्दू) 74) उपाधि 76) काल का एक भाग 77) घब्बा 78) नौकर 80) दुष्ट 82) नृप 85) सारांश 86) मुंह से अनुचित बातें कहना या बड़ों केसामने अशिष्ट बातें कहना अर्थवाला मुहावरा 89) ताकत 90) बनावटी विलाप अर्थवाला एक मुहावरा 95) अर्थ 96) स्नान कराना 98) लोकमत 99) जांच, परीक्षण 100) जलाशय 103) झपट्टा मारनेवाला एक पक्षी 104) लीन 106) रिवाज 107) मैलापन 109) शरीर 110) बिना घरवाला 112) अधःकार 113) टैंक्स अदा करनेवाला 114) निराशा 115) वक्त 116) माथा 117) बहाना बनाना अर्थवाला एक मुहावरा
Aj I ulp & 1) व्याकुल 2) चिंतनशील 3) तीन घंटे का समय 4) फैली हुई चीजों को चुनाना या उठाना 5) प्राण 6) महाराष्ट्र का वह तीर्थक्षेत्र जो गोदावरी नदी

के किनारे बसा हुआ है 7) आमदनी, आय 8) सांप 9) वह स्थान तहां बड़े पैमाने पर चीजें तैयार की जाती हैं 10) पास 11) मुकदमा 12) बेइज्जती होना अर्थवाला एक मुहावरा 13) पुनः याद दिलाना 14) कुदृष्टि लगना (मुहावरा) 16) उजला, निर्मल 18) लहर 22) मृत्यु होना 24) अयोग्य (उर्दू) 25) मित्र 28) लादा हुआ, बोझ 30) मुसलमानोंद्वारा साधु पुरुषों के लिये प्रयुक्त एक शब्द 31) हरामरा होना, समृद्ध 32) प्रथम 33) बकवाद 34) अनुपजाऊ, बंजर 36) बलपूर्वक 39) निरन्तर 43) अपने एक भूतपूर्व प्रधानमंत्रीजी का कुलनाम 45) काशी 47) शरम 48) मनभावन 49) चार युगोंमें से एक 51) मछली पकड़नेवाला 54) बताना 56) खफा 57) पुनः युवा अवस्था प्राप्त करने के लिए किया गया उपचार 58) सावधान 60) धूप, आंच, गरमी 61) पचा हुआ 62) एक मादक पदार्थ 65) सम्राट अकबर के नौरत्नों में एक 67) मेरा का बहुवचन 69) नासिका 70) धूल, मिट्टी 71) हकलाने की क्रिया या भाव 72) लक्ष 75) घृणा 79) वादा 81) ओठ 83) गुजरात का एक बड़ा शहर 84) श्रीविष्णु के दशावतारों में एक, कछुआ 85) सास 86) तामिलनाडु की एक मुख्यमंत्री पूर्वश्रमी में फिल्म अभिनेत्री थी 87) पहनावा 88) बछ्नी नाली 91) प्रस्थान 92) एक दक्षिण भारतीय राज्य 93) नयन 94) पारिश्रमिक 95) नाना, मां के पिता 97) सर्पिणी 98) जमावड़ा 100) धनवान, पैसेवाला 102) कथा, प्रवचन आदि सुननेवाला 105) कुप्रबंध 1, अन्याय 106) पुरातन काल के वैद्यकशास्त्र के प्रधान आचार्य जिनकी संहिता प्रसिद्ध है 108) मादकता 109) निश्चित 110) एक फूल 111) अवयव, भाग 112) सीतापति 113) हाथ (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

फै	स	ला		स्व	र	कौ	कि	ला		ब	द	दु	आ		मे	ह	न	ता	ना	
र	मा		व	र्ण	न		ला	ज	ना		स्यु		म	द	न		त	रा	श	ना
न	चा	ना		ज		कै		वं		वि		बे	द	र	का	र		म		दि
ही	र	क	ज	यं	ती		स	ती	श	शा	ह		नी		गां	जा		ती	स	रा
ट	प		न	ती	ज	त	न		क	ल	र	व		आं	धी		ह		ह	
	त्र	स्त	ता		न	र	म	द	ल		क	न	प	टी		दि	या	स	ला	ई
खु		र	द		बा	ल		शा		पा	त	क		नं	द	न		खा	ना	
ले	ख		ल	ड़ा	ई		अ	न	जा	न		मी		ब	ल	शा	ली			मे
आ	ल	स					ज	मा	न	त	दा	र		पा	र	द		ला		त
म		ह	जा	री	बा	ग			क	न	क		ल	व	ली	न		शं	क	र
	इ	ना	य	त		त	क	नी	क		म	न			दी	र्घ	का	ली	न	
ना	जा	य	ज		खु		रो	क	था	म		ख	फा		रो	म		लु		ज
ग	ज	क		ब	द	ल	ना		एं	ग	ल		रि	वा	ज		जं		क	र
वा	त		मा	ह		वं		व		न	व	रं	ग		गा	ली	ग	लौ	च	
र		आ	या	रा	म	ग	या	रा	म		ण		ग	र	ल		कि	ना	रा	
धा	रा	वी		र्द		र	ह	नु	मा		क	ब	ड़ी		ना	गा	क	र	ना	

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हेमंत नायक

मो. 88273 19933

10 शुक्रवार 18 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

live मंडला नैनपुर

● बिछिया ● बीजाडांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

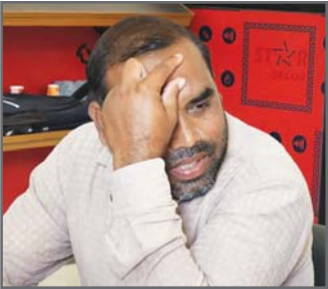
विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

कृषि भूमि के नामांतरण के लिए 8 हजार रू. की रिश्वत, बाबू हरीश सिंगोर लोकायुक्त के हत्थे चढ़ा

जगप्रेरणा बम्हनी बंजर (मंडला)।

कृषि भूमि के नामांतरण के एवज में 8 हजार रू. की रिश्वत लेते बम्हनी बंजर उप तहसील कार्यालय में पदस्थ बाबू हरीश सिंगोर को जबलपुर



लोकायुक्त की टीम ने रंगे हाथ पकड़ लिया। गुरुवार को हुई इस कार्रवाई के बाद उप तहसील कार्यालय में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, कृषि भूमि के नामांतरण से संबंधित काम के लिए बाबू द्वारा 8 हजार रू. की रिश्वत मांगे जाने की शिकायत जबलपुर लोकायुक्त से की गई थी। शिकायत का सत्यापन कराने के बाद लोकायुक्त टीम ने रिश्वत लेते हुए बाबू को पकड़ने की कार्रवाई की।

बताया जा रहा है कि जैसे ही शिकायतकर्ता द्वारा तय राशि बाबू को दी गई, लोकायुक्त की टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे रंगे हाथ पकड़ लिया।

कार्रवाई के बाद टीम द्वारा मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

कार्रवाई से कार्यालय में मचा हड़कंप..

बम्हनी बंजर उप तहसील कार्यालय में लोकायुक्त की कार्रवाई की खबर फैलते ही कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति बन गई। लंबे समय से कार्यालय में कथित तौर पर रिश्वतखोरी की शिकायतों और चर्चाओं के बीच हुई इस कार्रवाई ने प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। लोकायुक्त टीम द्वारा आरोपी बाबू के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज करने सहित आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बलिदान दिवस पर मंडला की रेल कनेक्टिविटी को लेकर उम्मीदें, एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात का इंतजार

जगप्रेरणा मंडला।

अमर शहीद राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस 18 सितंबर को मंडलावासियों की नजरें एक बार फिर रेल सुविधाओं पर टिकी हैं। छोटी लाइन से बड़ी लाइन में अमान परिवर्तन का काम पूरा होने के बाद भी मंडला जिले



को लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों की सीधी और नियमित सुविधा का इंतजार है। ऐसे में क्षेत्रीय सांसद फगन सिंह कुलस्ते और प्रदेश की कैबिनेट मंत्री संपतिया उड्के से जिलेवासियों को रेल सुविधाओं को लेकर उम्मीदें हैं। मंडला को एक्सप्रेस ट्रेनों से जोड़ने की मांग लंबे समय से उठती रही है। वर्तमान में पंचवैली एक्सप्रेस मंडला तक पहुंच रही है, लेकिन यात्रियों को इसकी पूर्ण यात्री सेवा का लाभ नहीं मिल पाने से लोगों में निराशा है। जिलेवासियों का कहना है कि आदिवासी बाहुल्य मंडला को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलने से जबलपुर, इंदौर सहित अन्य प्रमुख शहरों तक आवागमन आसान हो सकेगा।

इन ट्रेनों की मांग..

गोंडवाना सुपरफास्ट एक्सप्रेस का मंडला तक विस्तार। इंदौर-जबलपुर ओवरनाइट एक्सप्रेस का नैनपुर/मंडला से संचालन। पंचवैली एक्सप्रेस की पूर्ण यात्री सेवा शुरू करने की मांग।

पातालकोट एक्सप्रेस को मंडला फेर्ट से जोड़ने की मांग।

पहले भी उठ चुकी है मांग..

रेल सुविधाओं को लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की ओर से रेल मंत्रालय को पत्राचार किए जाने की बात सामने आती रही है। इसके बावजूद जिलेवासियों को अब तक लंबी दूरी की ट्रेनों को लेकर ठोस घोषणा का इंतजार है।

बलिदान दिवस पर घोषणा की उम्मीद..

18 सितंबर को राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बीच मंडलावासी रेल सुविधाओं को लेकर किसी बड़ी घोषणा की उम्मीद लगाए बैठे हैं। लोगों का कहना है कि मंडला जैसे आदिवासी बाहुल्य जिले के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए बेहतर रेल कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण है।

अब देखना होगा कि इस अवसर पर एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन या विस्तार को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा होती है या जिलेवासियों का इंतजार आगे भी जारी रहता है।

सार्वक पोर्टल की ई-अटेंडेंस पर सवाल, गमछे से ढके चेहरे वाली तस्वीरों ने बढ़ाया संदेह..

8 से 22 जून की रिपोर्ट में फोटो-लोकेशन को लेकर उठे सवाल, करीब दो साल से मामला लंबित होने का दावा, फाइल कलेक्टर के पास पहुंचने की बात

जगप्रेरणा मंडला।

सरकारी कर्मचारियों की उपस्थिति में पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए लागू सार्वक पोर्टल की ई-अटेंडेंस व्यवस्था को लेकर कृषि विभाग से जुड़ा मामला सामने आया है। प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, कृषि विभाग में पदस्थ असिस्टेंट डायरेक्टर एग्रीकल्चर देवेंद्र कुमार बारस्कर की ई-अटेंडेंस में कुछ प्रविष्टियों को लेकर सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि कुछ मौकों पर अधिकारी की जगह किसी अन्य व्यक्ति ने उपस्थिति दर्ज की। हालांकि, आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

मामले में ई-अटेंडेंस में दर्ज तस्वीरों को लेकर भी सवाल उठे हैं। कुछ फोटो में व्यक्ति के चेहरे पर गमछा या कपड़ा बंधा दिखाई देने का दावा किया गया है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि तस्वीर में दिखाई देने वाला व्यक्ति संबंधित अधिकारी नहीं है। हालांकि, केवल तस्वीर के आधार पर पहचान तय नहीं की जा सकती। इसकी पुष्टि डिजिटल रिकॉर्ड और विभागीय जांच से ही संभव होगी।

10 दिनों की उपस्थिति रिपोर्ट पर सवाल..

प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक सार्वक पोर्टल से प्राप्त 10 पेज की ई-अटेंडेंस रिपोर्ट में 8 से 22 जून 2026 तक की उपस्थिति दर्ज है। इसमें चेक-इन, चेक-आउट, फोटो और लोकेशन संबंधी विवरण शामिल बताए गए हैं। 8, 9, 10, 11, 12, 15, 16, 18, 19 और 22 जून की प्रविष्टियों को लेकर सवाल उठाए गए हैं।



रिपोर्ट के अनुसार कुछ प्रविष्टियों की तस्वीरों में चेहरे पर कपड़ा या गमछा दिखाई देता है। वहीं 18 जून की प्रविष्टि में चेक-आउट फोटो और लोकेशन उपलब्ध नहीं होने की बात भी सामने आई है।

डिजिटल रिकॉर्ड की जांच से खुलेगा राज

मामले में अब मूल डिजिटल रिकॉर्ड की जांच अहम मानी जा रही है। जांच में संबंधित तारीख

और समय की जीपीएस लोकेशन, फोटो किस डिवाइस से अपलोड हुईं, फोटो और लोकेशन का मिलान तथा उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया की जांच की जा सकती है। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि ई-अटेंडेंस में दर्ज प्रविष्टियां वास्तविक थीं या उनमें कोई विसंगति थी।

दो साल से लंबित होने का दावा

प्रकाशित रिपोर्ट में शिकायतकर्ताओं की ओर से यह भी दावा किया गया है कि मामले से संबंधित शिकायत करीब दो वर्षों से लंबित है। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि अब तक विभागीय स्तर पर क्या जांच हुई और मामले में निर्णय क्यों नहीं हो सका।

कलेक्टर के पास पहुंची फाइल

रिपोर्ट में कृषि विभाग के उप संचालक अश्विनी झरिया के हवाले से बताया गया है कि मामले की फाइल कलेक्टर को भेजी गई है और कार्रवाई लंबित है। अब जिला प्रशासन स्तर पर होने वाली जांच और निर्णय पर नजर है।

फोटो नहीं, डिजिटल साक्ष्य होंगे निर्णायक..

पूरे मामले में ई-अटेंडेंस की तस्वीरें केवल आरोप का आधार हैं। अंतिम स्थिति मूल डिजिटल रिकॉर्ड, लोकेशन डेटा, उपस्थिति विवरण, तकनीकी जानकारी और संबंधित अधिकारी के पक्ष की जांच के बाद क्या निष्कर्ष सामने आता है और सार्वक पोर्टल के डिजिटल रिकॉर्ड से ई-अटेंडेंस को लेकर उठे सवालों का जवाब मिलता है या नहीं।

रक्तदान से भाजपा ने शुरू किया सेवा संकल्प अभियान

जिला अध्यक्ष प्रफुल मिश्रा समेत कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान..

महिष्मति घाट पर 25 हजार दीप जलाए

जगप्रेरणा मंडला।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा ने गुरुवार को जिले में सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की। अभियान के पहले दिन जिला अस्पताल में रक्तदान महाभियान आयोजित किया गया।



इसमें भाजपा के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने रक्तदान कर सेवा का संदेश दिया। रक्तदान शिविर में कैबिनेट मंत्री संपतिया उड्के, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष जयदत्त झा, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष भावना साहू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष प्रफुल मिश्रा ने स्वयं रक्तदान

किया। उन्हें रक्तदान करते देख अन्य कार्यकर्ता भी आगे आए और शिविर में सहभागिता की। जिला अध्यक्ष मिश्रा ने कहा कि रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में मदद मिलती है। प्रधानमंत्री के जन्मदिन को भाजपा कार्यकर्ता सेवा और जनकल्याण के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मना रहे हैं।

अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और सहयोग की भावना पहुंचाना है।

महिष्मति घाट पर 25 हजार दीपों से जगमगाया घाट..

सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार शाम महिष्मति घाट पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम हुआ। यहां करीब 25 हजार दीप प्रज्वलित किए गए। इसके अलावा नगर के अन्य घाटों पर भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने दीप जलाए। भाजपा जिला अध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिलेभर में सेवा, जनभागीदारी और सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम होंगे।

बृथ से लेकर जिला स्तर तक कार्यकर्ता विभिन्न वर्गों के बीच पहुंचकर सेवा गतिविधियों में भाग लेंगे। रक्तदान और दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आरसीएम संस्थापक के जन्मदिन पर सेवा दिवस मनाया, संगम घाट पर की सफाई और किया वृक्षारोपण

जगप्रेरणा मंडला।

16 सितंबर को आरसीएम बिजनेस के संस्थापक माननीय श्री त्रिलोक चंद छाबड़ा जी के जन्मदिन के अवसर पर मंडला जिले के विकास खंड मोहगाँव अंतर्गत ग्राम पंचायत देवगाँव स्थित नर्मदा-बुढेनर नदी संगम घाट पर सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर आरसीएम परिवार के सदस्यों द्वारा नर्मदा-बुढेनर संगम घाट एवं जमदग्नि ऋषि आश्रम प्रांगण में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया। घाट पर फैली गंदगी को हटाकर घाट को स्वच्छ बनाया गया।

इसके पश्चात श्रीकृष्ण महा यादव समाज धर्मशाला प्रांगण, देवगाँव में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। धर्मशाला में आयोजित बैठक में विशिष्ट अतिथियों ने आरसीएम बिजनेस



कार्यक्रम में शामिल दो महात्मा संत श्री श्री हरि दास महात्मागी महाराज जी, संत श्री श्री हरिदास महात्मागी महाराज जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में डी पी यादव जी, रुपेंद्र खडगरे जी, राजेश चक्रवर्ती जी, राम लाल यादव जी इनकी गरिमा मय उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित की गई।

इस दौरान देवी प्रसाद यादव, ब्रज आमों, गोवर्धन यादव, देवराज कछवाहा, महेश तेकाम, गोरे लाल यादव, प्रमोद यादव, मोहित यादव, नरेश झरिया, हीरा सिंह उड्के, सगनू नंदा, रामकरन यादव, प्रेम गौतम, अंतराम यादव, अनिता मरावी, सुखमेन मरावी, राजेंद्र यादव, काशीराम मार्कों, युवराज शिवरे, नेम लाल यादव, रामकृपाल यादव सहित बड़ी संख्या में आरसीएम एसोसिएट्स और जनप्रतिनिधि व स्थानीय ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान: महिष्मती घाट पर जगमगाए 25,500 दीप..

जगप्रेरणा मंडला।

सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को ऐतिहासिक महिष्मती घाट पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उड्के के मुख्य आतिथ्य में महिष्मती घाट परिसर में '25,500 दीप प्रज्वलित' किए गए।



‘आशीर्वाद का दीया’ सेवा और जनभागीदारी का प्रतीक- संपतिया उड्के

कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उड्के ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा संकल्प है। शासन द्वारा जनजातीय अंचल सहित समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम सेवा, विकास और जनकल्याण के संकल्प को प्रकाशमान करने का माध्यम है। सांसद श्री फगन सिंह कुलस्ते ने कहा कि नर्मदा के पावन तट पर आयोजित दीप प्रज्वलन सांस्कृतिक परंपरा, आस्था और सेवा भावना का प्रतीक है। जनभागीदारी से आयोजित यह कार्यक्रम

प्रज्वलित किए गए। इस प्रकार जिलेभर में कुल '2,70,050 दीप' जलाकर सेवा, सहभागिता और जनकल्याण के संकल्प को प्रकाशमान किया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, वरिष्ठ समाजसेवी श्री प्रफुल्ल मिश्रा, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग श्री गुलशन बाभरा, जिला पंचायत सीईओ श्री शाश्वत सिंह मीना, एडीएम श्री हुनेन्द्र घोरमारे, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सोनल सिडाम, एसडीएम मंडला श्री शैलेन्द्र चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जन अभियान परिषद के सदस्य, स्व-सहायता समूह की महिलाएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

